हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, गुरुवार 17 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 23.3 डिग्री

13 ओवरलोड एम्स, सर्जरी ही नहीं जांच के लिए भी ...

14 एक ही दिन में तीन कर्मचारी संगठनों ने बोला हल्ला...

भारतमाला घोटाला में आई दावा-आपत्ति-शिकायतों की जांच के लिए संभाग कमिश्नर ने गठित की हैं चार टीमें

जांच है या जादू... भारतमाला घोटाले की जांच की समय सीमा खत्म, अभी तक रिपोर्ट नहीं, कमिश्नर ने कहा-पता करता हूं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर और धमतरी जिले में भारत माला परियोजना घोटाला के मामले में आई दावा-आपत्तियां एवं शिकायतों के निराकरण करने के लिए संभाग आयुक्त महादेव कावरे ने ब्लॉक स्तर पर चार समिति गठित की है। इन समितियों को एक माह के अंदर दावा-आपत्ति एवं शिकायतों की जांच कर इसकी रिपोर्ट संभाग कमिश्नर को प्रस्तुत करना था। इन समितियों को जांच के लिए दी गई समय सीमा खत्म हो चुकी है। इसके बाद भी इन समितियों में अब तक किसी ने भी रिपोर्ट पेश नहीं ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि तत्काल

40 ग्रामों से आई हैं दावा-आपत्ति एवं शिकायतें

भारत माला परियोजना घोटाला का पर्दाफाश होने के बाद रायपुर और धमतरी जिले के प्रभावित किसानों में किसी को मुआवजा नहीं मिला, किसी को कम मुआवजा मिला जैसी कई दावा-आपत्तियां एवं शिकायतें रायपुर और धमतरी जिले के कलेक्टोरेट एवं संबंधित क्षेत्र के तहसील कार्यालयों में की गई हैं। ये दावा-आपत्तियां एवं शिकायतें लगभग 40 ग्रामों से आई हैं। इनके निराकरण करने के लिए संभाग कमिश्नर ने शासन के निर्देश पर 4 जांच ⏭शेष पेज 13 पर

दावा-आपत्ति करने वाले किसानों के लिए जाने हैं बयान

जांच समितियों को अलग-अलग क्षेत्र में जाकर जांच करना है। इसके लिए दावा-आपत्ति करने वाले किसानों के बयान भी दर्ज किए जाने हैं, क्योंकि इनमें कई किसानों ने मुआवजा नहीं मिलने के साथ कम मुआवजा मिलने की भी शिकायत की है। सूत्रों के अनुसार बयान दर्ज करने के लिए समितियों को प्रारूप बनाकर भी दिया गया है। प्रारूप में बयान दर्ज करने के बाद संबंधित किसान के साथ समिति में शामिल सभी सदस्यों को भी हस्ताक्षर करना है।

भारतमाला में करोड़ों की हेराफेरी, दुर्ग, रायपुर समेत कई शहरों के 20 ठिकानों पर छापे

एक भी रिपोर्ट नहीं आई समीक्षा करूंगा

अभी तक किसी समिति ने रिपोर्ट भेजी नहीं है। इसकी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया जाएगा।

- महादेव कावरे, संभाग कमिश्नर

पटवारियों के भी बयान अनिवार्य

जांच टीम को प्रभावित किसानों के साथ संबंधित गांव के पटवारियों के भी बयान लेने के लिए कहा गया है। इस घोटाला में तहसीलदार, नायब तहसीलदार के अलावा पटवारियों की बड़ी भूमिका रही है। इसे देखते हुए संभाग आयुक्त ने समितियों को पटवारियों के बयान भी लेने कहा है।

समितियां इन अधिकारियों के नेतृत्व में कर रहीं जांच

जांच समितियों को आवेदनों के अनुसार ग्राम बांटे गए हैं। इसके तहत संभाग उपायुक्त ज्योति सिंह की टीम पचेड़ा, भेलवाडीह, कुर्रू, झांकी, बिरोड़ा, टेकारी, उगेतरा एवं उसके आसपास के प्रभावित गांव की जांच करेगी। इसी प्रकार अपर कलेक्टर उमाशंकर बंदे की टीम नायकबांधा, पारागांव, उरला, मोतियाडीह, सरसदा, आरंग, अमनपुर, सारंगी, बासवाही एवं उसके आसपास के प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों की जांच करेगी। अपर कलेक्टर निधि साहू की टीम चरौदा, निसदा, गोइंदा, अकोलीकला, भिलाई एवं आसपास के गांव तथा अपर कलेक्टर धमतरी इंदरा देवहारी की टीम सिवनीकला, कुरूद, उमरदा, सिर्री, सरगी, चिवरी, भरदा एवं आसपास के प्रभावित क्षेत्र के गांव की जांच करेगी।

B.M. COLLEGE
BCA BBA
PGDCA B.Ed.
आई.टी.आई.
▸ कोपा ▸ इलेक्ट्रिशियन
▸ हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
▸ डीजल मैकेनिक
▸ फायर टेक्नालॉजी
▸ स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065

खबर संक्षेप

चैली टूटने से तीसरे माले से गिरकर मजदूर की मौत

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में मकान में प्लास्टर लगा रहे मजदूर की तीसरे माले से गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के अनुसार पुजारी स्कूल के पास एक निर्माणाधीन मकान में प्लास्टर लगाने से चैली टूट गई। चैली में चढ़कर काम कर रहे पलारी निवासी मोहित साहू तथा एक अन्य मजदूर तीसरे माले से नीचे गिए गए। चैली टूटने से मोहित की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है, मकान मालिक मकान में प्लास्टर लगवाने चावड़ी से मजदूर काम कराने ले गया था।

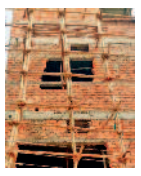

दुकान में सेंधमारी कर चोरी, तीन गिरफ्तार

रायपुर। डुमरतराई व्यावसायिक कांपलेक्स की एक खिलौना दुकान में सेंधमारी कर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया है। मारुति टॉयस के नाम से खिलौनों का थोक कारोबार करने वाले विवेक नागदेव की शिकायत पर पुलिस ने विक्की ध्रुव, खगेश पाल उर्फ छोटू तथा विकास साहू को गिरफ्तार किया है। बदमाश 12 दुलाई को दुकान के पीछे की तरफ की दीवाल को छेद कर कम्प्यूटर सिस्टम, टीवी तथा अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। खगेश पूर्व में भी चोरी तथा मारपीट के आरोप में जेल जा चुका है।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा थाने की पुलिस ने मारपीट तथा धारदार हथियार से युवक पर हमला करने के आरोप में एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। देवपुरी निवासी सुमित चतुर्वेदी की शिकायत पर पुलिस ने सूर्या जोशी को गिरफ्तार किया है। सुमित ने पुलिस को बताया है कि एक पखवाड़ा पूर्व सूर्या तथा पुष्पेंद्र बंजारे आपस में विवाद कर रहे थे। वह बीच-बचाव करने के लिए गया, तो बदमाशों ने सुमित के साथ मारपीट करते हुए उस पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस पुष्पेंद्र की पतासाजी कर रही है। बदमाश मारपीट करने के बाद तेलीबांधा थाना क्षेत्र से चोरी की बाइक से फरार हो गए थे।

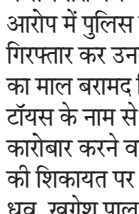

तीन माह पूर्व अप्रैल में हरमीत सिंह खनूजा सहित चार लोगों को ईओडब्लू गिरफ्तार कर चुकी है

भारतमाला परियोजना घोटाले के आधा दर्जन जालसाज गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतमाला परियोजना में जमीन अधिग्रहण करने के नाम पर साढ़े 29 करोड़ रुपए का मुआवजा घोटाला करने के आरोप में ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने बुधवार को जल संसाधन विभाग के दो सेवानिवृत्त कर्मचारी सहित आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है। ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने जिन छह लोगों को गिरफ्तार किया है, इसके पूर्व हरमीत सिंह खनूजा, जमीन दलाल केदार तिवारी, उसकी पत्नी उमा तिवारी तथा कारोबारी विजय जैन को गिरफ्तार कर चुकी है। इस तरह भारत माला परियोजना भू-अधिग्रहण घोटाला में ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

हरिभूमि फॉलोअप

जांच एजेंसी ने जिन छह लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें जलसंसाधन विभाग के सेवानिवृत्त कर्मी जो अमीन के पद पर पदस्थ थे, उनमें गोपाल राम वर्मा, नरेंद्र कुमार नायक के साथ जमीन दलाल खेमराज कोसले, पुनुराम देशलहरे, भोजराम साहू एवं कुंदन बघेल के नाम शामिल हैं। जल संसाधन विभाग से जुड़े जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके द्वारा पूर्व में अधिग्रहित की गई जमीन के बारे में गलत रिपोर्ट देने का आरोप है। शेष अन्य चार के खिलाफ फरार चल रहे राजस्व विभाग के अधिकारियों के ⏭शेष पेज 13 पर

पिछले महीने छह आरोपियों को कोर्ट में पेश होने ईओडब्लू ने नोटिस जारी किया है

भारतमाला परियोजना के आधा दर्जन आरोपी फरार, कोर्ट नहीं आएंगे तो संपत्ति होगी अटैच

ईओडब्लू के वकील ने इसकी पुष्टि की है

अप्रैल में की गई थी छापे की कार्रवाई

ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने तीन माह पूर्व 25 अप्रैल को दो दर्जन के करीब राजस्व विभाग के अधिकारी, कर्मियों के साथ जमीन कारोबार से जुड़े कारोबारी तथा जमीन दलालों से जुड़े रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, बिलासपुर तथा धमतरी के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की थी। छापे की कार्रवाई के बाद हरमीत सिंह खनूजा सहित अन्य तीन को ईओडब्लू ने गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की और उनके बैंक अकाउंट की पड़ताल की। पूछताछ और पड़ताल के आधार पर ईओडब्लू घोटाला से जुड़े जालसाजों को गिरफ्तार कर रही है। भारतमाला परियोजना से जुड़े घोटाला में आने वाले दिनों में ईओडब्लू के अफसर और अन्य लोगों को गिरफ्तार कर सकते हैं।

राजस्व विभाग के छह अफसर, पटवारी को कोर्ट में पेश होने नोटिस

घोटाला को अंजाम देने महत्वपूर्ण भूमिका में शामिल एसडीएम निर्मय कुमार साहू, तहसीलदार शशिकांत कुर्रे, नायब तहसीलदार लखेश्वर प्रसाद किरण और पटवारी जितेन्द्र कुमार साहू, बसंती घृतलहरे और लेखराम देवांगन को कई बार ईओडब्लू ने बयान दर्ज कराने नोटिस जारी किया। लगातार नोटिस जारी होने के बाद भी आरोपी बयान दर्ज कराने सामने नहीं आए। इसके बाद कोर्ट ने पिछले महीने 28 जून को नोटिस जारी कर सभी को 29 जुलाई को कोर्ट में पेश होने नोटिस जारी किया है। नोटिस के बाद भी आरोपी कोर्ट में उपस्थित नहीं होंगे, तो इसके बाद उनकी संपत्ति अटैचमेंट करने की कार्रवाई की जा सकती है।

1861 विद्यार्थियों को अलॉट हो सकी हैं सीटें

एग्रीकल्चर की सीटें खाली, बीटेक डेयरी में भी छात्रों का टोटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंदिरागांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर की सीटें पहले चरण की मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद भी नहीं भर सकी हैं। बीएससी एग्रीकल्चर के लिए यूजी काउंसलिंग की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। विवि अध्ययनशाला तथा संबद्ध महाविद्यालयों में बीएससी एग्रीकल्चर की 2015 सीटें हैं। इनके लिए 3982 छात्रों ने आवेदन किया था। छात्रों द्वारा चुने गए विकल्प और सीटों की उपलब्धता के आधार पर 1861 छात्रों को सीटें अलॉट की जा चुकी हैं। इनमें से 462 छात्रों का ही दस्तावेज सत्यापन पूर्ण हुआ है। वहीं फीस का भुगतान केवल 106 छात्रों द्वारा किया गया है।

कुलपति ने भी बुधवार को यूजी काउंसिलिंग के बारे में जानकारी हासिल की। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, समस्त प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें 1.5 लाख रूपए लेकर कृषि विवि में सीट दिलाने की बात कही जा रहा थी। इसके बाद छात्रों ने मामले की जांच की मांग की थी।

62 में से 35 सीटें रिक्त

बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी में इस बार भी छात्र नहीं मिल पा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष यहां सीट अंतिम चरण तक ही भर पाते हैं। मौजूदा सत्र में भी कमोबेश यही स्थिति उत्पन्न हो गई है। यहां बीटेक डेयरी की 62 सीटें हैं। इनमें से 35 सीटें रिक्त हैं। दुग्ध महाविद्यालय ने अब दूसरे चरण की काउंसिलिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। दूसरे चरण की मेरिट लिस्ट 4 अगस्त को जारी की जाएगी। इसके लिए पंजीयन पोर्टल खोल दिया गया है। छात्र 21 जुलाई तक पंजीयन करा सकते हैं। छात्रों के लिए गाइडलाइन और विस्तृत शेड्यूल भी दुग्ध महाविद्यालय ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है।

हार्टिकल्चर विवि स्वयं करेगा काउंसिलिंग

कृषि विवि द्वारा इस बार केवल अपने संस्थान के लिए ही काउंसलिंग की जा रही है। कृषि विवि से पृथक होकर बने उद्यानिकी विवि में संचालित पाठ्यक्रमों के लिए बीते सत्र में कृषि विवि ने ही काउंसिलिंग की थी। इस बार उद्यानिकी विवि अपने यहां संचालित पाठ्यक्रमों के लिए स्वयं ही काउंसिलिंग करेगा। उद्यानिकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को हार्टिकल्चर यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में जाकर ही पंजीयन कराना होगा।

चावल बांटने में रायपुर टॉप पर, सुकमा-दंतेवाड़ा जिला पिछड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चावल उत्सव के तहत छत्तीसगढ़ में अब तक लगभग 95 प्रतिशत कार्ड धारकों को तीन माह का चावल वितरण किया जा चुका है। चावल वितरण में रायपुर जिला टॉप पर है। यहां अभी तक 100.36 प्रतिशत कार्ड धारकों को राशन बांटा गया है, वहीं सुकमा और दंतेवाड़ा चावल वितरण में सबसे पीछे हैं। सुकमा में अभी तक 84.50 तथा दंतेवाड़ा में 90.19 प्रतिशत चावल वितरण किया गया है। इसके अलावा अन्य जिलों में 91 प्रतिशत या उससे अधिक चावल वितरण किया जा चुका है। हालांकि प्रदेश में अभी भी लगभग 2 लाख 92 हजार कार्ड धारक बचे हुए हैं, जिन्हें तीन माह का चावल बांटा जाना है।

बचे कार्ड हितग्राहियों में लगभग दो लाख एपीएल कार्ड धारक

प्रदेशभर 2 लाख 92 हजार कार्ड धारकों को तीन माह का चावल मिल नहीं पाया है। सूत्रों के अनुसार बचे हुए धारकों में लगभग दो लाख एपीएल के कार्ड धारक हैं। शासन ने तीन माह का चावल वितरण की अंतिम तारीख 31 जुलाई तय की है। इस तरह अभी भी 15 दिन शेष हैं। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि शेष दिनों में भी बचे हुए हितग्राहियों को चावल वितरण कर दिया जाएगा।

नई मशीन में दिक्कत के कारण कई हितग्राही एक माह का ही उठा पाए

सभी उचित मूल्य की दुकानों में एक जून से नई ईपॉस मशीन से चावल वितरण किया जा रहा है। यह मशीन पुरानी मशीन की तुलना में काफी छोटी है। छोटी होने के कारण मशीन में हितग्राहियों की उंगली स्कैन करने में काफी परेशानी आ रही थी, वहीं दूसरी ओर तीन माह का चावल लेने के लिए 6 बार स्कैन कराना पड़ रहा था, जिसमें काफी समय लग रहा था, जिससे कई हितग्राहियों की उंगली भी स्कैन नहीं हो पा रही थी। इस कारण से कई हितग्राहियों ने जून में सिर्फ उसी माह का चावल लिया था। ये हितग्राही अब जुलाई में बचे हुए दो माह का चावल लेने के लिए दुकानों में पहुंच रहे हैं।

बांटा गया चावल जिलेवार (प्रतिशत में)

बालोद	98.90
बलौदाबाजार	94.32
बलरामपुर	92.78
बस्तर	92.77
बेमेतरा	94.42
बीजापुर	91.94
बिलासपुर	91.82
दंतेवाड़ा	90.19
धमतरी	98.64
दुर्ग	94.35
गरियाबंद	93.99
गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	96.38
जांजगीर	93.78
जशपुर	93.39
कांकेर	94.76
कवर्धा	94.68
खैरागढ़-गंडई	98.25
कोंडागांव	91.70

⏭शेष पेज 13 पर

निगम की आंख खुली, अब आई मवेशियों की याद 10 जोन में अधिकारी, कर्मचारी की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर स्मार्ट सिटी में आपका स्वागत है, सड़क पर मवेशियों का राज शीर्षक से हरिभूमि समाचार पत्र के रायपुर भूमि में 14 जुलाई को प्रकाशित खबर का असर हुआ है। निगम प्रशासन ने इसे संज्ञान लेते हुए बुधवार से निगम के सभी 10 जोन में आवारा मवेशिओं और सांडों की धरपकड़ के लिए निगम के अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। महापौर मीनल चौबे, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर अपर आयुक्त विनोद पांडे ने आवारा मवेशियों के सड़क पर जमावड़ा और उससे ⏭शेष पेज 13 पर

खबर का असर

स्मार्ट सिटी में आपका स्वागत है... सड़क-चौराहों पर मवेशियों का राज

जोनवार चिन्हांकित एरिया

■ **जोन 1**- खमतराई मेन रोड, डब्लूआरएस मेन रोड, रायपुर बिलासपुर एक्सप्रेस वे जोन अंतर्गत मुख्य मार्ग।

नोडल अधिकारी जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी, सहायक अधिकारी जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन, वाहन प्रभारी एवं 3 सहायक कर्मचारी। पकड़े गये मवेशियों को फुंडहर गोठान में रखा जाएगा।

■ **जोन 2** - कचहरी चौक से फाफाडीह नमस्ते चौक, लाल चौक टिंबर मार्केट रोड, जयस्तंभ चौक से फाफाडीह चौक, ⏭शेष पेज 13 पर

6 सूत्रीय मांग पर विधानसभा घेराव करने निकले, पुलिस ने रास्ते में रोका

घेराव करने निकले दिव्यांगों को पुलिस ने रोका, पकड़कर तूता में छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र के जरिए सरकारी नौकरी कर रहे 148 अधिकारियों को बर्खास्त करने की मांग कर रहे प्रदेश के दिव्यांग और दिव्यांग संघ ने संयुक्त रूप से बुधवार को अपनी 6 सूत्रीय मांगों के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने विधानसभा का घेराव करने निकले। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक लिया, उन्हें बलपूर्वक गाड़ी में बिठाकर तूता स्थित धरना स्थल ले गये। दिव्यांगों ने पुलिस प्रशासन पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

अपने विभिन्न मांगों को लेकर दिव्यांग संघ शासन का ध्यान आकर्षित कराने जुटा है। इसी कड़ी में बुधवार को दिव्यांग जन विधानसभा घेराव की तैयारी में थे। ⏭शेष पेज 13 पर

दिव्यांगों ने लगाया बदसलूकी का आरोप

6 सूत्रीय मांग इस तरह

- फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे नौकरी पाने वालों को तत्काल बर्खास्त किया जाए
- दिव्यांग कोटे के बैकलाग पदों पर विशेष भर्ती अभियान चलाने की मांग
- दिव्यांगों के पेंशन को 5 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए
- बीपीएल की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग
- 21 वर्ष से अधिक अविवाहित दिव्यांग महिलाओं को महतारी वंदन योजना में शामिल करने संबंधी मांग
- 3 फीसदी पदोन्नति आरक्षण के पालन के लिए परिपत्र जारी किया जाए

सीआरपीएफ के सर्वश्रेष्ट कंपनी कैंप का सम्मान

रायपुर। नक्सल उन्मूलन के लिए असाधारण प्रदर्शन करने वाले सीआरपीएफ के कंपनी कैंप को सीआरपीएफ के आईजी राकेश अग्रवाल ने बुधवार को सम्मानित किया। श्री अग्रवाल ने बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित कैंपों के असाधारण प्रदर्शन तथा जवानों की

भलाई के लिए उनके बुनियादी ढांचे के विकास और उनकी जिम्मेदारी वाले क्षेत्रों में ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

मंत्री वर्मा ने एसडीएम, तहसीलदार व थानेदार की बैठक, दी सख्त हिदायत

तिल्दा नेवरा। मंत्री टंक राम वर्मा ने कड़े तेवर दिखाते हुए तिल्दा नेवरा के प्रमुख अधिकारियों एसडीएम, तहसीलदार, एवं थानेदार से एकांत में चर्चा की, मंत्री टंक राम वर्मा ने एसडीएम व तहसीलदार को कड़े तेवर में कहा है कि सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण का खेल जोर-जोर से तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र में जारी है, कोई भी इस तरह का कृत्य कर रहे हैं। उस पर तत्काल कार्रवाई करें और इसकी जानकारी मुझे भी दें, उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी तरह उन्होंने थाना प्रभारी से भी कहा कि अवैध कारोबारों पर लगाम लगाएं उन्होंने अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही की बात कही है। साथ ही कबाड़ियों पर भी नकेल कसने की बात मंत्री के द्वारा कही गई। वहीं ऑनलाइन सट्टा व शराब के अवैध कारोबार पर भी मंत्री ने कड़े रुख अपनाये है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सट्टा और शराब का अवैध कारोबार पर ठोस कार्रवाई की जाए।

शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अभिषेक शर्मा बने सांसद प्रतिनिधि

चंदखुरी। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने

अपने लोकसभा क्षेत्र के आरंग विधानसभा के शासकीय विद्यालयों मे शाला विकास एवं प्रबंधन समिति हेतु अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया जिसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ कर छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते भाजयुमो मे विभिन्न दायित्वो का निर्वहन करने वाले युवा नेता अभिषेक शर्मा को शा.उ.मा विद्यालय भानसोज का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया। शर्मा ने मा.सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मा. विधायक खुशवंत साहेब ,जिला अध्यक्ष श्याम नारंग ,मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा ,शाला विकास समिति अध्यक्ष भूपेश साहू एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया साथ ही सभी के सहयोग मार्गदर्शन मे बेहतर सुगम शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिबद्ध रहने की बात कही।

नव पदस्थ तहसीलदार से व्यापारियों ने की मुलाकात

आरंग। नव पदस्थ तहसीलदार आरंग ज्योति मसियारे से व्यापारीगण भेंट मुलाकात कर परिचयात्मक बिन्दुओ के साथ नगर की राजनीतिक चर्चा के साथ राजस्व प्रकरण पर शीघ्र निराकरण हो । इस पर भी सार्थक चर्चा हुई। जिस पर तहसीलदार ने सतत प्रयास कर लंबित प्रकरण को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के आश्वस्त किए। प्रतिनिधिमंडल मे अध्यक्ष सूरज शर्मा, सचिव दिलीप चंद्राकर, राकेश गुप्ता, संरक्षकगण आनंद द्वारकानी, संतोष चंद्राकर, मनोज चंद्राकर, पंकज शुक्ला, शरद गुप्ता, सतीश भूतडा, यशवंत गोयल व अन्य व्यावसायिक बंधु उपस्थित रहे।

धान की खेती हुई महंगी, रेगहा का बढ़ा प्रचलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

अंचल के खारून नदी किनारे बसे गांव खट्टी, परसदा, रवेली, आमदी, पलौद, कन्हेरा गांव में किसान रोपाई के काम में लगे हुए हैं। इस साल रोपाई के लिए किसानों को प्रति एकड़ करीब 6 हजार रुपए देना पड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि खेती में इस साल पिछले साल से ज्यादा लागत आ रही है। कुछ किसानों ने तो ज्यादा लागत के कारण अपनी जमीन किराए (रेगहा) पर दे दिया। वहीं कुछ किसानों ने बोता लगाता ही बेहतर समझा।

सड़कों पर मवेशियों के जमावड़े से बढ़े हादसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

अंचल में सड़कों पर स्वच्छंद विचरण करते गोवंश एक गंभीर समस्या बन गई है, जिससे आम लोगों की जान खतरे में है। नेशनल हाईवे से लेकर सिलतरा, धनेली, चरौदा, तरपोगी सहित सैकड़ों गांवों में मुख्य मार्गों पर मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि पिछली सरकार द्वारा बनाए गए गोठान, जिनका उद्देश्य इन मवेशियों को सुरक्षित आश्रय देना था, आज बंजर पड़े हैं और अपनी सार्थकता खो चुके हैं।

- सड़कों पर मौत का साया: स्वच्छंद विचरण करते गोवंश से खतरे में जिंदगियां

राज्य के प्रमुख शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण सड़कों तक, हर जगह स्वच्छंद विचरण करते गोवंश का झुंड देखा जा सकता है। नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों के सामने अचानक मवेशियों के आ जाने से गंभीर हादसे हो रहे हैं। वाहन चालक इन मवेशियों

से बचने की कोशिश में खुद भी दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, और कई बार तो इन मवेशियों की वजह से लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी विकट है। गांवों की गलियों और मुख्य मार्गों पर मवेशी झुंड बनाकर बैठे रहते हैं, जिससे खतरा बना रहता है।

कर्मचारी हलचल: मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौप कर आवज की बुलंद

मोदी की गारंटी पूरा करने की मांग, रैली निकाली व कर्मचारी फेडरेशन ने सौंपा ज्ञापन

आरंग। छत्तीसगढ फेडरेशन के प्रांतीय इकाई के आह्वान एवं जिला ईकाई के निर्देशानुसार छत्तीसगढ के कर्मचारी-अधिकारीगण विधानसभा चुनाव के पूर्व मोदी की गारंटी के रूप जारी घोषणापत्र में सरकार द्वारा किए गए वादे के अनुरूप राज्य के कर्म. अधिकारी एवं पेंशनरों को केंद्र के समान देय दिनांक से महंगाई भत्ता प्रदान करने, पूर्व के लंबित महंगाई भत्ते की एरियर्स राशि को जीपी एफ खाते में समायोजित करने, सभी कर्मचारी-अधिकारियों को सेवाकाल के दौरान चार स्तरीय समयमान वेतनमान प्रदान करने, वर्तमान में लंबित दो प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदान करने सहित ग्यारह सूत्रीय लंबित मांगो को लेकर चरणबद्ध ऑदोलन का आगाज करते हुए कर्म. अधिकारी फेडरेशन आरंग के संयोजक माणिक लाल मिश्रा के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी आरंग राजस्व पुष्पेंद्र शर्मा को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के एवं मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन के नाम क्रांतिकारी नारों एवं वादा निभाओ रैली के साथ ज्ञापन सोपा गया। संयोजक मिश्रा ने कहा अगर शासन हमारी नैतिक व जायज मांगो को पूरा नही करती है, तो आगामी 22 अगस्त को एक दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर हम धरना-प्रदर्शन के बाध्य होंगे जिसका जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर छ.ग. लिपिक संघ अध्यक्ष केशव डहरिया, छ.ग.कर्म.अधि.पेंशनर एशोसियेशन अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद पनका, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन अध्यक्ष हरीश दीवान, छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शास.कर्म संघ तहसील अध्यक्ष रामकुमार सिन्हा, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद वैष्णव, छग व्याख्याता संघ डीके राहंगडाले, इंद्रजीत बिद, एसके ऊपरडे, भारत भूषण वर्मा, पेमल लाल साहू, शैलेंद्र कुमार शुक्ला, विनोद चंद्राकर, केपी गोस्वामी, एनके गिलहरे, अश्वनी साहू, दयालु भारद्वाज, खिलानंद साहू आदि की उपस्थिति रही।

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम दिया ज्ञापन

अभनपुर। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं मुख्य सचिव को प्रदेश के शासकीय सेवकों से जुड़े प्रमुख 11 बिन्दुओ पर शीघ्र समाधान हेतु जिला कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अभनपुर के माध्यम से सौपा गया । फेडरेशन के पदाधिकारियो ने ज्ञापन के माध्यम से शासकीय सेवको को केन्द्र के समान 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता देय तिथि से प्रदान करने,जुलाई 2019 से लंबित डीए की एरियर्स राशि जीपीएफ खाते में समायोजित,वेतन विसंगति पर गठित रिपोर्ट को सार्वजनिक करने,8,16,24 और 30 वर्ष की सेवा पर क्रमशः पदोन्नत वेतनमान प्रदान करने, सहायक शिक्षक और पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान आदेश जारी करने,अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने, म.प्र. की तरह 300 दिवस तक नगदीकरण की अनुमति, एनपीएस खाते मे कटौती तिथि से सेवा गणना कर पूरी पेंशन की पात्रता देने सहित 11 अहम बिन्दुओ पर मांग की गई है। फेडरेशन ने ज्ञापन के माध्यम से

स्पष्ट किया है कि यदि 16 जुलाई 2025 तक मांगों पर निर्णय नहीं होता है, तो राज्यभर में रैलियों के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही 22 अगस्त 2025 को सामूहिक अवकाश लेकर जिला एवं तहसील मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौपने के दौरान पवन गुरुपंच, बुद्धेश्वर वर्मा, गौकृति तिवारी,हेमलाल ध्रुव, खेमराज ध्रुव,जितेंद्र सिन्हा, प्रदीप साहू, अब्दुल साजिद खान, सुनील चंद्रवंशी, वर्षा साहू, ओमप्रकाश माहले, नरेंद्र मेश्राम, सुखदेव साहू, योगेश निर्मलकर, युगलकिशोर साहू, एल एन साहू एवं विभिन्न विभाग के शासकीय सेवक मौजूद रहे।

डॉ. बघेल जयंती पर महापुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण 19 को

तरपोंगी। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज 19 जुलाई को रायपुर में डॉ. खूबचंद बघेल की 125वीं जयंती पर भव्य कार्यक्रम करेगा। आयोजन डॉ. खूबचंद बघेल फूल चौक में होगा। इस मौके पर समाज के ऐतिहासिक महापुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण किया जाएगा। साथ ही नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। समाज के केंद्रीय अध्यक्ष खोड़स कश्यप ने बताया कि कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. खूबचंद बघेल, स्वामी आत्मानंद, दाऊ भोला वर्मा, दानवीर तुलाराम परगनिहा व स्व. अनंतराम बर्छिहा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इन महापुरुषों ने समाज को दिशा दी। उनके विचार आज भी प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में सर्व छत्तीसगढ़िया समाज के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। त्रिस्तरीय पंचायत, नगर निगम और पालिका चुनावों में विजयी जन प्रतिनिधियों को समाज की ओर से विशेष सम्मान मिलेगा। दान दाताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। खोड़स राम कश्यप ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य सामाजिक एकता बढ़ाना है। महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। समाज के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। समाज के सभी वर्गों को आमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने समाज के व्यापारी, अधिकारी और कर्मचारियों से एक दिन का अवकाश लेकर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। सभी दस राज के राज प्रधान और पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

डॉ. बेद लाल ने किया रीवा में पौधारोपण किया

आरंग। महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रीवां के रसायन शास्त्र के व्याख्याता डॉ. बेद लाल साहू ने विद्यालय परिसर में स्कूल के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्राचार्य आर.पी. चंद्राकर के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया। डॉ. साहू ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य मां के नाम पर एक पौधा लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। इस दौरान स्कूली छात्र उपस्थित थे।

विधायक शर्मा ने तीसरे दिन भी विस में जनहित के मुद्दे उठाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र 2025 के तीसरे दिन धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी, प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी गति, अंबेडकर अस्पताल में पार्किंग ठेके की अनियमितताओं और

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़ी समस्याओं पर सवाल खड़े किए। शर्मा का पहला प्रश्न पुलिस विभाग में लंबित आरक्षक भर्ती प्रक्रिया से संबंधित था। उन्होंने गृहमंत्री से भर्ती में हो रही देरी का कारण पूछा, इसके बाद, शर्मा ने मेकाहारा में सुरक्षा और पार्किंग ठेके को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि ठेका एजेंसी के खिलाफ बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद उनके निविदा अवधि में वृद्धि क्यों की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने जवाब दिया कि निविदा 30 जून 2024 तक थी और कार्य संतोषजनक पाए जाने पर नई निविदा होने तक अवधि बढ़ाई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत धरसींवा क्षेत्र की स्थिति पर भी अनुज शर्मा ने प्रश्न किया। उन्हें बताया गया कि कुल 1212 आवेदनों में से केवल 349 आवासों को स्वीकृति मिली है। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र की मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में शामिल सड़कों और अन्य जर्जर सड़कों के मरम्मत, विनिर्माण और संधारण कार्यों की जानकारी मांगी।

विकास की सौगात,15 करोड़ की लागत से बनेगा हजार सीटर टाउन हॉल

तिल्दा नेवरा। सांसद प्रतिनिधि राम पंजवानी ने बुधवार को विशेष चर्चा करते हुए जानकारी दी की मंत्री टंक राम वर्मा तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात दे चुके हैं। आने वाले समय

में बहुत जल्द ही और भी करोड़ों रुपए की राशि स्वीकृत विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए की जाएगी। राम पंजवानी ने बताया कि बहुत जल्द तिल्दा नेवरा में 15 करोड रुपए की लागत से 1000 सीटर का टाउन हॉल का निर्माण किया जाएगा। जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति बहुत जल्द मिल जाएगी उन्होंने बताया कि इसके भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तिल्दा नेवरा आएंगे जिसके लिए मंत्री टंक राम वर्मा काफी प्रयासरत है। साथ ही साथ ही बहुत जल्द मुख्य मार्गों पर डिवाइडर व सौंदर्यीकरण किया जाएगा, एसडीएम कार्यालय व रजिस्ट्री कार्यालय का लोकार्पण भी शीघ्र किया जाएगा। राम पंजवानी ने बताया मंत्री टंक राम वर्मा के पहल पर पूरे 22 वार्डों में विभिन्न विकास कार्यों हेतु 2 करोड रुपए की राशि स्वीकृत कराई गई है, 7 करोड रुपए की लागत से इनडोर स्टेडियम का कार्य प्रगति पर है इसके अलावा बहुत जल्द और अन्य निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति मिलेगी।

राधा कृष्ण स्कूल में मनाया स्थापना दिवस

आरंग। राधा कृष्ण विद्या मंदिर उच्च मा. विद्यालय आरंग में 37वा स्थापना दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में बृजेश अग्रवाल, संतोष कुमार सोनी, बृजेश सोनी एवं विद्यालय की पूर्व आचार्या पुष्पांजलि महंती और पालक समिति के अध्यक्ष सियाराम साहू उपस्थित थे एवं स्थापना दिवस के अवसर पर श्रीफल, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कक्षा पहली से आठवी के बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी। साथ ही शाला के अध्यक्ष बृजेश अग्रवाल की ओर से बोर्ड परीक्षा में उच्च. अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में कक्षा बारहवीं से हर्ष गुप्ता 1111 रु., कक्षा दसवीं से शिवानी तंबोली 999 रु., कक्षा आठवी से जया लोधी 888 रु., कक्षा पांचवीं से डिंपी बांसवार 777 रु. प्रोत्साहन राशि के रूप में चेक प्रदान की गई। स्थानीय कक्षाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को स्टडी टेबल प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया और नए सत्र का पाठयपुस्तक वितरण किया गया। विद्यालय के प्राचार्या ने अपने उद्बोधन मे कहा कि बच्चे खाली बैग लेकर नहीं आते है उनमें माता पिता का सपना होता है कि बच्चे पढ़ें और आगे बढ़े और हमारा सपना साकार करे। अंत में शाला स्थापना दिवस के अवसर पर शाला परिवार को स्वल्पाहार कराया गया। इस कार्यक्रम में शाला के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का संपूर्ण योगदान रहा।

धरसींवां विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने किया पदभार ग्रहण

धरसींवां। राज्य शासन के आदेशानुसार विकासखंड धरसींवां के नवनियुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी अमित तिवारी ने मंगलवार को बीईओ कार्यालय धरसींवां में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने पर कार्यालय में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वय क्रमशः प्रदीप शर्मा व वंदना शुक्ला ने स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यालयीन कर्मचारियों, संकुल समन्वयकों व शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। नए विकासखंड शिक्षा अधिकारी अमित तिवारी के द्वारा कार्यालयीन स्टाफ का परिचय प्राप्त कर कार्यालय का निरिक्षण भी किया गया और सम्बंधित प्रभारियों के कार्य दायित्व पर चर्चा कर सभी को अपने अपने रिकार्ड दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। बीईओ अमित तिवारी ने कहा कि विकासखंड के छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना बनाकर अमल में लाया जाएगा एवं विकासखंड में शासन की मंशा अनुरूप सभी प्रशासनिक व अकादमिक लक्ष्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जायेगा।

/ / आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सुमन तिवारी पति संजीत कुमार तिवारी निवासी हाउस नं. आई- 16, राजधानी विहार, नियर अवन्ति टावर, कचना रोड़, सड्डू कचना रायपुर छ.ग. (492014) ने विक्रेता 1. मंशाराम निर्मलकर, 2. लिलक्राम निर्मलकर दोनो पिता किशुन लाल निर्मलकर निवासी वार्ड नं. 14 दोन्देकला जिला रायपुर छ.ग. (493111) से उनको ग्राम-कठिया प.ह.न. 26 तहसील खरोरा जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि जिसका ऋणपुस्तिका क्रमांक पी/3768961 में खसरा नं. 484/10 का रकबा 0.809 हे. को क्रय करने का पक्का सौदा किया है। अब रजिस्ट्री पंजीयन ही शेष हैं। अतः उक्त भूमि के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, प्राधिकरण, व अन्य को किसी प्रकार से उजर आपत्ति हो तो वह मेरे नीचे लिखे पते पर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर आपत्ति दावा स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता/मुख्त्यार के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते है । म्याद बाद उक्त संपत्ति पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण कर ली जावेंगी। म्याद बाद दिये गये उजर, आपत्ति मान्य नहीं होगें। सो सूचना जानें ।

स्थान - तिल्दा
दिनांक 16/07/2025

भवदीय
एम. के. सिंह
(अधिवक्ता/नोटरी)
सिविल कोर्ट परिसर तिल्दा नेवरा जिला रायपुर छ.ग. (493114) मो.न. 9691069127

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

ग्राम केन्द्री प.ह.नं. 16
रा.प्र.क्र. 202507114000006 / अ-6 (अ)/ वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गुहाराम साहू पिता श्री समारू साहू निवासी ग्राम केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम केन्द्री प.ह.नं. 16 रा.नि.म. केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नं. 6/2 रकबा 0.5980 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक ने सुशासन तिहार 2025 में इस भूमि के नक्शा बटांकन किये जाने बाबत आवेदन पत्र पेश किया था। तत्संबंध में पटवारी प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसके अनुसार ऑनलाईन कम्प्यूटरीकृत नक्शा में खसरा नं. 6/2 के स्थान पर खसरा नं. 4/2 अंकित होना पाया गया है। जो ऑनलाईन कम्प्यूटरीकृत नक्शा में खसरा नं. 4/2 वास्तविकता एवं मौका में खसरा नं. 6/2 है जो कि त्रुटिपूर्ण है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के ऑनलाईन कम्प्यूटर नक्शा में हुई त्रुटि को सुधार कर खसरा नं. 4/2 के स्थान में खसरा नं. 6/2 दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पेश किया गया। तत्संबंध इस न्यायालय में राजस्व प्रकरण क्रमांक 202507114000006 / अ-6 (अ) / वर्ष 2024-25 विचाराधिन है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 25/07/2025 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 09/07/2025 को जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
अभनपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

सरकार की उदासीनता से आत्मानंद स्कूलों में पुस्तकों की कमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी

छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, जो कभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रतीक माने जाते थे, आज भाजपा सरकार की उदासीनता और कुप्रबंधन के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पीसीसी डेलीगेट एवम धरसींवा जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे ने कई आत्मानंद स्कूलों का दौरा कर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से बातचीत की, जिसमें चौंकाने वाली स्थिति सामने आई है। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए एक महीने से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। कई स्कूलों में पुस्तकें या तो आंशिक रूप से उपलब्ध हैं या पूरी तरह अनुपलब्ध हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। धरसींवा जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे ने कहा कि यह स्थिति भाजपा सरकार की शिक्षा के प्रति लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को दर्शाती है। पुस्तकों की कमी के कारण शिक्षक पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने में असमर्थ हैं, जिसका सीधा असर छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर पड़ रहा है।

पात्रे के जन्मदिवस पर खपरी स्कूल में न्योता भोज कराया गया

आरंग। शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला खपरी में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना अंतर्गत न्योता भोज का आयोजन किया गया। बच्चों को मध्याह्न भोजन में निर्धारित मीनू के अलावा पोषण आहार के रूप में केला एवं जलेबी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अधिक से अधिक पोषण आहार मिले जिससे कि उनका शारीरिक व बौद्धिक विकास हो साथ ही बच्चों, शिक्षकों व पालकों के बीच सौहार्द्र पूर्ण वातावरण का निर्माण हो सके। उक्त आयोजन उच्च प्राथमिक शाला के शिक्षक देवऋषि पात्रे के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया। जन्मदिवस को यादगार बनाने व एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत स्कूल परिसर में विद्यापत्ती

एवं चमेली के पौधे का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर उच्च प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक खम्मन साहू, प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक गोपाल चंद्राकर, शिक्षक मनोज कुमार साहू, ईश्वरी बंजारे, रसोइया सुलोचनी यादव, जानकी यादव व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मेकाहारा की बंद पड़ी मशीनों पर विपक्ष का सवाल स्वास्थ्य मंत्री बोले 5 साल आपकी भी थी सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन विपक्ष ने मेकाहारा में वर्षों से बंद पड़ी मशीनों को लेकर सरकार को घेरा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, इस स्थिति के लिए मौजूदा सरकार को जिम्मेदार ठहराना सही नही है, क्योंकि हमसे पहले पांच साल कांग्रेस की भी सरकार थी। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक शेषराज हरवंश ने पूछा कि मेकाहारा अस्पताल में कई जांच मशीनें वर्षों से बंद हैं। मशीनों की मरम्मत और खरीदी क्यों नहीं हो रही है और प्रक्रिया क्या है? कैंसर जांचने वाली मशीन बंद क्यों है? स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जवाब में बताया कि मेकाहारा में कुल 161 मशीनें लगी हुई हैं, जिनमें से 50 फिलहाल बंद हैं। 70 करोड़ रुपये की लागत से नई मशीनों की खरीदी कर रहे हैं। 11 मशीनों की मरम्मत प्रक्रिया चल रही है। जब विधायक ने पूछा कि कैंसर की जांच करने वाली मशीनें क्यों उपलब्ध नहीं हैं, तो मंत्री ने स्पष्ट किया कि वो मशीन जांच के बजाय इलाज की श्रेणी में आती है, और विदेश से आयात होती है। हम उसे जल्द शुरू करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

9 साल से बंद मशीन नहीं हुई शुरू

विधायक शेषराज हरवंश ने सवाल पूछा कि ये मशीन 9 साल पहले खरीदी गई थी। ये बीजेपी सरकार के ही कार्यकाल में थी। इतने वर्षों बाद भी यह चालू क्यों नहीं हो सकी? इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने जवाब दिया कि पूर्ववर्ती सरकार ने अच्छी सोच के तहत मशीन खरीदी थी, लेकिन तकनीकी और व्यवस्थागत कारणों से इसे चालू नहीं किया जा सका। अब हम उसे सक्रिय करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन यह भी याद रखें कि 5 साल कांग्रेस की भी सरकार रही।

महंत ने लगाया पीएम आवास में अनियमितता का आरोप डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा-शिकायत मिलने पर होगी जांच

डिप्टी सीएम के आरोप पर सदन में विपक्ष ने किया हंगामा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को लेकर आरोप लगाया कि कई जिलों में बिना शौचालय निर्माण के मकानों को पूर्ण दिखाया जा रहा है। पात्र दिव्यांगों एवं अल्पसंख्यकों को वाजिब लाभ नहीं मिल पा रहा। उन्होंने योजना में अनियमितता का आरोप लगाते हुए सरकार को घेरा। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने सदन में स्पष्ट किया कि तीसरी किस्त के बाद भुगतान किया जाता है और काम को अंतिम रूप माना जाता है। पिछली सरकार की लेटलतीफी के कारण कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्तमान की विष्णुदेव साय सरकार में सुशासन भी है और सख्ती भी है। शिकायतें मिलने पर जांच की जाएगी।

प्रश्नकाल में ही इसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने मनरेगा भुगतान का मुद्दा उठाते हुए कहा, कई जिलों में मजदूरी की राशि अब तक नहीं दी गई है, जिनमें जशपुर और बीजापुर जैसे जिले शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजापुर में केवल 38 प्रतिशत भुगतान ही हुआ है। जवाब में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, 30 जून तक मजदूरी भुगतान कर दिया गया है, बाकी मामलों की दोबारा जांच की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, उनके पास फोटो और दस्तावेज हैं, जो वे विधानसभा अध्यक्ष के पटल पर रखने को तैयार हैं।

अजय चंद्राकर ने की जांच की मांग

बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने भी चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा, मैंने पिछले 5 सालों में भी बार-बार यह कहा है कि अगर वह मशीन चालू हो जाती, तो सैकड़ों मरीजों को इलाज मिल सकता था। यदि खरीदी में कोई अनियमितता है, तो उसकी भी जांच कराई जाए।

डॉ. महंत के आरोप पर विजय शर्मा का तीखा वार

इस दौरान डॉ. महंत ने डिप्टी सीएम विजय शर्मा पर लोगों को घुमाने का आरोप लगाया। डिप्टी सीएम ने इस पर तीखा पलटवार करते हुए कहा, कांग्रेस शासनकाल में खुद पीएम आवास योजना को लेकर टालमटोल की गई थी, इसके सारे दस्तावेज हमारे पास हैं। उनके जवाब के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन में जोरदार विरोध किया, जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस और हंगामा और तेज हो गया।

खबर संक्षेप

सांसद बृजमोहन ने भवन नवीनीकरण के लिए 15 लाख देने की घोषणा की

रायपुर। परिषद कार्यालय में बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में परिषद के अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल ने सांसद निधि से माना स्थित परिषद के भवन के नवीनीकरण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की और स्पीच थेरेपी सेंटर में डॉ स्पीच थेरेपी सॉफ्टवेयर लगाने के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत किया गया है। डॉ स्पीच सॉफ्टवेयर है जो खासकर स्पीच डिसऑर्डर वाले बच्चों और वयस्कों के उपचार के लिए उपयोग किया जाता है। बैठक में एजेंडा के अनुरूप महासचिव चंद्रेश शाह ने पूर्व में हुई स्टैंडिंग समिति बैठक में लिए गए निर्णय का अनुमोदन, वित्तीय वर्ष 2024-25 का ऑडिट रिपोर्ट, वित्तीय वर्ष 2025-26 अनुमानित बजट का अनुमोदन किया गया। बैठक में परिषद के मोहन चोपड़ा, डॉ अशोक त्रिपाठी, डॉ कमल वर्मा, इंदिरा जैन, प्रकाश अग्रवाल, राजेंद्र कुमार निगम, भूपेंद्र कोटरिया, कार्यकारिणी सदस्य संजीव बसंत हुड्डार, सुनीता चंसोरिया आदि उपस्थित रहे।

डागा कॉलेज की एनएसएस इकाई ने रोपे पौधे

रायपुर। श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय से एनएसएस विभाग द्वारा एक दिवसीय पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभाग के छात्राओं और प्राध्यापकों की उपस्थिति दर्ज की गई। एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान 20 से अधिक पौधों का रोपण किया गया, यहां फलदार और छायादार वृक्षों की संख्या अधिक रही। इससे पहले छात्राओं को विभिन्न वृक्षों के लाभ के बारे में बताया गया, जिसमें पौधे के फल, जल और पत्तियों की विशेषता बताई गई।

मालवीय मार्ग में सड़क पर दुकान, ई जुर्माना, टीम प्रहरी ने चलाया अभियान

रायपुर। मुख्य मार्ग की सड़क घेरकर व्यवसाय करने वाले दुकान संचालकों पर नगर निगम अब ई जुर्माना लगा रहा है। बुधवार को निगम मुख्यालय की नगर निवेश उड़नदस्ता टीम ने मालवीय मार्ग में जयस्तंभ चौक से सिटी कोतवाली तक अभियान चलाकर 37 दुकानदारों पर 18,500 रुपये ई जुर्माना किया। निर्धारित सीमा से बाहर दुकान का सामना रखने पर संबंधित दुकानदारों को चेतावनी भी दी गयी। नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम ने मालवीय मार्ग में जयस्तंभ चौक से सिटी कोतवाली चौक तक मार्ग के दोनों ओर मुख्य बाजार क्षेत्र में दुकानों के सामने सड़क पर कब्जा कर किये जा रहे व्यवसाय से बाधित सड़क यातायात को लेकर कार्रवाई की।

सोलर कृषि पंप अब पीएम कुसुम योजना में ही लगेंगे, केंद्र से मंजूरी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

2025-26 के सत्र में प्रदेश में 20 हजार पंप लगाने का केंद्र सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

प्रदेश के किसानों को कृषि के लिए सोलर पंप अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना के तहत ही मिलेंगे। प्रदेश की भाजपा सरकार में 2016 में प्रारंभ की गई सौर सुजला योजना अब बंद हो गई है। ऐसे में क्रेडा ने प्रदेश सरकार के माध्यम से 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को प्रदेश के किसानों के खेतों में प्रधानमंत्री कुसुम योजना में 20 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा है। वहां से प्रस्ताव की मंजूरी के बाद क्रेडा खेतों में पंप लगाने का काम करेगा। वहां से मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। वैसे भी अभी खेत का समय चल रहा है, इसलिए अभी पंप लगाने में परेशानी भी होगी। आमतौर पर कृषि पंप लगाने का काम मानसून में खेती के समय में नहीं किया जाता।

प्रदेश में किसान खेती के लिए कृषि पंप लगाने का काम करते हैं। ज्यादातर कृषि पंप तो बिजली से चलने वाले लगाए जाते हैं। लेकिन प्रदेश में कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर बिजली की सुविधा न होने पर या किसानों के खेतों के पास बिजली के ट्रांसफार्मर और खंभे न होने के कारण कृषि पंप लगाने के लिए करीब 9 साल पहले प्रदेश में भाजपा की रमन सरकार के समय सौर सुजला योजना राज्य स्थापना दिवस पर एक नवंबर 2016 को प्रारंभ की गई थी। तब सौर सुजला योजना के माध्यम से सोलर कृषि पंप लगाने का काम किया गया। उसी समय प्रदेश में बहुत ज्यादा सोलर कृषि पंप लगाए गए।

हर साल लगे 20 हजार पंप

राज्य सरकार ने चूंकि इस योजना का प्रारंभ एक नवंबर 2016 को किया था, इसलिए पहले साल 2016-17 में महज 12 हजार सोलर पंप किसानों के खेतों में लगाए गए। इसके बाद से हर साल प्रदेश सरकार ने 20 हजार के आस-पास सोलर पंप लगाने का काम किया। 2024-25 के लिए भी वैसे तो 20 हजार सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इस बीच फैसला किया गया कि अब केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में ही कृषि के लिए सोलर पंप लगाने का काम होगा, इसलिए राज्य सरकार की योजना में महज सात हजार पंप ही लग सके हैं। अब तक इस योजना में एक लाख 60 हजार सोलर पंप लगाए गए हैं।

अब केंद्र सरकार की योजना में लगेंगे

अब किसानों को सोलर पंप केंद्र सरकार की पीएम कुसुम योजना में लगाकर दिए जाएंगे। इसके लिए केंद्र सरकार के पास 20 हजार पंप लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने पर पंप लगाए जाएंगे। इस योजना में भी किसानों को सब्सिडी मिलेगी। लेकिन अभी तय नहीं है कि इसमें सब्सिडी कितनी मिलेगी। राज्य सरकार की योजना में महज 10 से 20 हजार में पंप लग जाते थे। क्रेडा के अधिकारियों के मुताबिक अब तो सोलर पंप लगाने की लागत कम हो गई है। इस समय तीन एचपी के लिए करीब ढाई लाख और पांच एचपी के लिए तीन लाख दस हजार में लगते हैं। टेंडर के बाद यह लागत और कम हो सकती है।

शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के विरुद्ध आई शिकायतों-आवेदनों के निराकरण के लिए संभाग स्तरीय कमेटी गठित

संभाग आयुक्त महादेव कावरे की अध्यक्षता में बनाई गई टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर संभाग में युक्तियुक्तकरण के तहत शिक्षकों की पदस्थापना के बाद जिला स्तरीय समितियों के विरुद्ध की गई शिकायतों एवं आवेदनों को देखते हुए शासन ने संभाग कमिश्नर महादेव कावरे की अध्यक्षता में कमेटी गठित की है। इस कमेटी की बुधवार को बैठक भी हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि संभाग अंतर्गत जिलों में समिति द्वारा की गई पदस्थापना के विरुद्ध जो भी आवेदन-शिकायत करना चाहते हैं, वे संभाग कार्यालय रायपुर में 28 जुलाई तक कर सकते हैं। इसके बाद इन शिकायत और आवेदनों पर विचार कर उनका निराकरण किया जाएगा।

शासकीय स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने और बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य को लेकर युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना की जा रही है। इसके तहत स्कूलों और शिक्षकों का तर्कसंगत समायोजन किया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति गठित की गई है, जो स्कूलों में छात्रों की संख्या के अनुसार, विषय संबंधी शिक्षक की कमी को दूर करने शिक्षकों की स्कूलों में पदस्थापना कर रही है। हालांकि जिला स्तरीय समिति द्वारा युक्तियुक्तकरण के तहत शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर कई लोग असंतुष्ट होकर शिक्षा विभाग से लेकर कलेक्टोरेट में आवेदन देकर शिकायत भी कर रहे हैं। इस तरह जिला स्तरीय समिति के विरुद्ध जिलों से आ रहे आवेदन एवं शिकायतों को देखते हुए शासन ने रायपुर संभाग के लिए कमिश्नर महादेव कावरे की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है, जो आवेदनों एवं शिकायतों का निराकरण करेगी।

परीक्षण कर निराकरण किया जाएगा

संभाग कमिश्नर कावरे ने बताया कि शिक्षकों के युक्तियुक्तिकरण के तहत जिला स्तरीय समिति के विरुद्ध जो भी आवेदन या शिकायत की जाएगी, उनका पहले परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद जो आवेदन-शिकायत सही होगी, उसका निराकरण किया जाएगा।

निगम में बदलाव, नायडू प्रभारी एसई मुख्यालय बागड़े को आईटी डाटा सेंटर, फिल्टर प्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

■ राठौर को मुख्यालय का प्रधानमंत्री आवास, योजना शाखा और सेंट्रल लाईब्रेरी का दायित्व

निगम आयुक्त विश्वदीप ने अधीक्षण अभियंताओं के प्रभार में बदलाव किया है। संजय बागड़े अधीक्षण अभियंता मुख्यालय को अनटाइट फंड, डाटा सेंटर, फिल्टर प्लांट, विद्युत विभाग, उद्यान विभाग मोटर कर्मशाला, नगरोत्थान, सीडीपी कार्य का जिम्मा दिया है। इसी तरह राजेश नायडू कार्यपालन अभियंता को प्रभारी अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंता के पदस्थ करते हुए मुख्यालय का पंद्रहवां वित्त आयोग के तीन घटक सहित अमृत मिशन प्रभार का दायित्व दिया गया है। प्रशासनिक कार्यदायित्व के तहत राजेश राठौर प्रभारी अधीक्षण अभियंता मुख्यालय का प्रधानमंत्री आवास योजना, योजना शाखा, सेंट्रल लाईब्रेरी, सांसद एवं विधायक मद, डीएमएफ, केन्द्र व राज्य प्रवर्तित योजनाओं का प्रभार देखेंगे।

इसी तरह अंशुल शर्मा जूनियर प्रभारी कार्यपालन अभियंता को नगरोत्थान, सीडीपी का कार्य, लोक निर्माण विभाग अधोसंरचना मद, समीक्षा बैठक की जानकारी, टीएल की विभिन्न जानकारी एकत्र कर फोल्डर तैयार कराकर आयुक्त की ओर से उपस्थित रहने के साथ ही निदान 1100, कलेक्टर जनदर्शन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, मंत्री, सांसद, विधायक व अन्य विशिष्ट व्यक्तियों से प्राप्त शिकायत पत्र पर कार्यवाही एवं निराकरण करने प्रभारी अधिकारी का प्रशासनिक दायित्व दिया गया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में अच्छा प्रदर्शन राज्य के 7 निकाय आज होंगे पुरस्कृत

दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देंगी पुरस्कार, डिप्टी सीएम साव और अधिकारी पुरस्कार ग्रहण करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छत्तीसगढ़ के सात नगरीय निकायों को केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 17 जुलाई को आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में ये पुरस्कार प्रदान करेंगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव विभागीय अधिकारियों और संबंधित निकायों के प्रतिनिधियों के साथ पुरस्कार ग्रहण करेंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसीडेन्ट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम का तीन लाख से दस लाख तक आबादी की शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार जनसंख्या तक की श्रेणी में और बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इसके लिए चयनित किया गया है। राज्य स्तर पर स्वच्छता में अच्छे कार्यों के लिए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा रायपुर नगर निगम को मिनिस्टरियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

एक नई श्रेणी भी

स्वच्छता के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन करने वाले शहरों को मान्यता देने के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के अंतर्गत इस बार सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) की एक विशेष श्रेणी की शुरुआत की जा रही है। इस लीग में उन शहरों को शामिल किया गया है जो पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार शीर्ष तीन में रहे हों और जो चालू वर्ष के स्वच्छ सर्वेक्षण मूल्यांकन में अपनी संबंधित जनसंख्या श्रेणी में शीर्ष 200 में बने हुए हैं। सुपर स्वच्छता लीग (एसएसएल) की विशेष एवं नवीन श्रेणी में असाधारण एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में छत्तीसगढ़ के भी तीन नगरीय निकाय शामिल हैं। अंबिकापुर नगर निगम को 50 हजार से तीन लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में तथा पाटन नगर पंचायत और बिश्रामपुर नगर पंचायत को 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में एसएसएल के लिए चयनित किया गया है।

विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक में कुलपति ने दिए निर्देश

वापस बुलाया जाएगा प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया विवि का टीचिंग स्टाफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कॉलेजों का आकस्मिक निरीक्षण करेंगे कुलपति

राज्यपाल ने कुलपतियों से वर्ष में एक बार एलुमिनाई मीट रखने कहा। कुलपतियों से कहा गया है कि वे कॉलेजों का आकस्मिक निरीक्षण करें और साल में दो बार प्राचार्यों के साथ बैठक करें। विश्वविद्यालयों को रिसर्च एवं डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए विवि के टीचिंग स्टाफ को अब वापस बुलाया जाएगा। उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए उन्हें प्राध्यापक के मूल पद पर नियुक्त किया जाएगा, ताकि अध्ययन कार्य प्रभावित ना हो। बुधवार को विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक में राज्यपाल ने यह निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल हुए। उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही को प्राथमिकता से करने कहा। बैठक में कुलपतियों से कहा गया कि वे डीन स्टूडेंट वेलफेयर को सक्रिय करें और विद्यार्थियों की शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए समय पर निराकरण सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया के इस दौर में छात्रों के तनाव प्रबंधन पर भी विशेष बल दिया है। राजभवन के कांफ्रेंस हॉल में यह बैठक आयोजित हुई। राज्यपाल रमेन डेका ने विभिन्न बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विश्वविद्यालयों में स्थाई रजिट्रार नियुक्त हो। आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ाएं, जिससे विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ेगी। जब रिक्त पदों पर समय पर भर्ती होगी और प्रमोशन होंगे, तब ही छत्तीसगढ़ के प्रोफेसर को कुलपति बनने का अवसर मिल सकेगा।

टमाटर को बचाएं खराब होने से

बैठक में सभी विश्वविद्यालयों से रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई। उन्होंने कहा, लंबे समय से टीचिंग स्टाफ की भर्ती नहीं होने से शैक्षणिक गुणवत्ता पर असर पड़ता है। सभी विश्वविद्यालय नेक ग्रेडिंग प्राप्त करे और गुणवत्ता में सुधार लाएं। कृषि विश्वविद्यालय को निर्देश दिया गया कि किसानों को पारंपरिक फसल के स्थान पर लाभप्रद फसल के लिए प्रोत्साहित करें। टमाटर के विपणन पर विशेष ध्यान देने कहा ताकि उन्हें खराब होने से बचाया जा सके। खाद्य उत्पादन और आपूर्ति में संतुलन होना चाहिए। उद्यानिकी विश्वविद्यालय को स्व-सहायता समूहों के साथ मिलकर कार्य करने कहा गया।

निधन

नीलम कुमार भारती

रायपुर। खुशी वाटिका, अमलीडीह निवासी अल्ट्राटेक कंपनी के रिटायर्ड सीनियर मार्केटिंग मैनेजर नीलम कुमार भारती (74) का 16 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 जुलाई को दोपहर 12 बजे उनके निवास स्थान से न्यू राजेंद्र नगर, काली मंदिर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे नूतन भारती के पति और विशाल भारती और वैशाली भारती के पिता थे। उनके निधन पर खुशी वाटिका सोसाइटी के सभी सदस्यों ने अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की है।

दया देवी मोटवानी

रायपुर। पवन विहार न्यू राजेंद्र नगर निवासी दया देवी मोटवानी का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 जुलाई को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से तेलीबांधा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे संतोष मोटवानी की माता थीं।

कलावती तिवारी

रायपुर। अश्विनी नगर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका कलावती तिवारी (82) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे सुधीर तिवारी, सुगमता तिवारी, प्रीतिबाला मिश्रा, निधि रैकुंडला की माता थीं।

दामोदर मिश्रा

रायपुर। बिलासपुर के नर्मदा नगर निवासी जल संसाधन विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता दामोदर मिश्रा (68) का 16 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 17 जुलाई को सुबह 11 बजे सरकंडा मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे डॉ. सुनीता मिश्रा कवयित्री के पति और ऋषभ मिश्रा, रुचि मिश्रा के पिता एवं रविश मिश्रा के ससुर थे।

दिनेश कुमार विश्नोई

रायपुर। रायपुरा निवासी दिनेश कुमार विश्नोई (63) का 15 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 जुलाई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे उषा विश्नोई के पति और अक्षय विश्नोई व डॉ आकांक्षा विश्नोई के पिता थे।

चंद्रा देवी निम्माणी

रायपुर। ब्राह्मण पारा निवासी चंद्रा देवी निम्माणी का 16 जुलाई को निधन हो गया। उनकी इच्छानुसार उनका देहदान श्री बालाजी हॉस्पिटल मोवा में किया गया। वे जेठमल निम्माणी की माता और मनीष निम्माणी की दादी थीं।

सरकारी अस्पतालों के 10 साल पुराने विशेषज्ञ बन सकेंगे एसोसिएट प्रोफेसर, 2 साल वाले सहायक प्राध्यापक

220 बेड का सरकारी हास्पिटल जरूरी, एनएमसी की गाइडलाइन

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

किसी भी 220 बेड की क्षमता वाले सरकारी अस्पताल में दस साल की सेवा देने वाले चिकित्सा विशेषज्ञ एसोसिएट प्रोफेसर के लिये पात्र होंगे। इसी तरह दो साल तक नौकरी करने वाले उसी ब्रांड स्पेशयलिटी के लिए, सहायक प्राध्यापक बनाए जाएंगे। एनएमसी ने चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में फैकल्टी की समस्या को ध्यान में रखते हुए गाइडलाइन जारी किया है, जिसका विरोध भी शुरू हो गया है।

एनएमसी ने प्रदेश में संचालित तमाम शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को फैकल्टी की कमी दूर करने की चेतावनी के साथ वर्ष 2025-26 के लिए मान्यता दी है। प्रदेश के कई बड़े हास्पिटल हैं, जो चिकित्सा शिक्षा संस्थान के रूप में काम करते हैं और ब्रांड स्पेशयलिटी पाठ्यक्रम का संचालन करते हैं। इन संस्थानों में अक्सर फैकल्टी की कमी की बातें सामने आती रहती है, जिसे ध्यान रखते हुए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परिषद ने चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता पर गाइडलाइन जारी किया है। इसके तहत 220 बेड के सरकारी अस्पतालों में 10 साल से सेवा देने वाले चिकित्सा विशेषज्ञों को संबंधित विषय में सह प्राध्यापक के रूप में पात्र माना है। वहीं 2 साल की अवधि वाले चिकित्सा विशेषज्ञ सहायक प्राध्यापक के लिए योग्य माने जाएंगे।

सूत्रों का कहना है कि इस नियम के बाद विभिन्न चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर हो जाएगी। बिना शैक्षणिक अनुभव के सीधे शिक्षक बनाए जाने के लिए तय किए इस पात्रता का विरोध भी किया जा रहा है। विभिन्न संगठनों से जुड़े चिकित्सकों का कहना है कि इससे चिकित्सा शिक्षा के स्तर में गिरावट आएगी, इसलिए इस नियम में बदलाव किए जाने की आवश्यकता है।

कालेजों में गुरु-शिष्य परंपरा का पालन

एनएमसी ने पिछले साल चिकित्सा महाविद्यालयों में अध्ययन और अध्यापन की व्यवस्था सुधारने के लिए गुरु-शिष्य परंपरा का पालन किए जाने की व्यवस्था बनाई थी। इसके तहत कालेजों में एक शिक्षक को तीन छात्रों की पूरी पढ़ाई के देर-रेख की जिम्मेदारी उठानी थी। इसके अलावा शिक्षक को इस बात की जिम्मेदारी दी गई थी कि वे संबंधित छात्रों की निगरानी किसी पालक की तरह करेंगे। सूत्रों का कहना है कि राज्य के मेडिकल कालेजों में शुरुआती दिनों में इस व्यवस्था को लागू करने का प्रयास किया गया, मगर इसके लिए बनाए गए नियम के पालन की जटिलता की वजह से इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

गिरेगा शिक्षा का स्तर

ऑल इंडिया प्री एंड पैराक्लिनिकल मेडिकोज एसोसिएशन (एपीपीएमए) के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. पीयूष भार्गव ने कहा कि इससे निजी चिकित्सा शिक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ेगी। संस्थानों की संख्या बढ़ने और अध्ययन का अनुभव नहीं रखने वालों को चिकित्सा शिक्षक बनाए जाने से इसके स्तर में गिरावट हो सकती है। 220 बेड की क्षमता वालों में प्रदेश के कई जिला और सिविल अस्पताल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चिकित्सा महाविद्यालयों में एक साल के सीनियर रेसीडेंस, 4 सहायक प्राध्यापक रहने वालों को सह प्राध्यापक के रूप में प्रमोशन के लिए पात्र माना जाता है। राज्य में प्रमोशन के लिए 2022 से डीपीसी नहीं हुई है।

बाल मजदूरों ने बताया रात दो बजे से दूसरे दिन रात साढ़े 10 बजे तक काम कराया जाता था

खरोरा में मजदूर बंधक बनाए जाने के मामले में मानव तस्करी करने का अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खरोरा थाना क्षेत्र के पिकरीडीह स्थित उमाश्री राइस मिल में संचालित मशरूम उद्योग में मजदूरों को बंधक बनाकर मारपीट कर उनसे जबरन काम कराने के मामले में पुलिस ने तीन मजदूर ठेकेदारों के खिलाफ मानव तस्करी सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बाल संरक्षण अधिकारी संजय कुमार निराला की शिकायत पर ठेकेदारों के खिलाफ बीएनएस की धारा 146, 127(4), 127(7), 115 (2), 3(5) तथा बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम 14 (3) (बी) तहत अपराध दर्ज किया है।

- पैसा मांगने पर ठेकेदार बच्चों के साथ करते थे मारपीट, तीन ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर

संजय निराला की शिकायत पर पुलिस ने मोजो मशरूम के ठेकेदार विपिन तिवारी, विकास तिवारी, नितेश तिवारी तथा भोला के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। संजय ने थाने में लिखित में शिकायत दर्ज कराते हुए जानकारी दी है कि पिछले सप्ताह नौ जुलाई को उन्हें वाट्सएप के माध्यम से मशरूम फैक्ट्री में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराए जाने की जानरकारी मिली थी। इसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम दूसरे दिन पुलिस के साथ मशरूम फैक्ट्री पहुंची और बंधक मजदूरों का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू टीम में खरोरा एसडीएम, श्रम विभाग की टीम भी शामिल थी।

रेस्क्यू किए गए मजदूरों में 23 नाबालिग मिले

छापा मारने पहुंची संयुक्त टीम ने मशरूम फैक्ट्री से 23 नाबालिग मजदूरों का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू किए गए मजदूरों का बाल कल्याण समिति में बयान दर्ज कराया गया। बाल मजदूरों ने बाल कल्याण समिति के पास ठेकेदारों द्वारा उनके साथ किए गए अमानवीय व्यवहार की जानकारी दी। बाल कल्याण समिति की टीम के सामने बाल मजदूर बयान दर्ज कराने के समय काफी सहमे हुए थे।

एडवांस देने के बाद फूटी कौड़ी नहीं दी

बच्चों ने अपने बयान में बताया है कि ठेकेदार उन्हें हर माह 14 से 15 हजार रुपए वेतन मिलने का झांसा देकर मजदूरी कराने लाए थे। बच्चों को मजदूरी कराने लाने के पूर्व बच्चों के परिजनों को कुछ रुपए एडवांस दिए थे। बच्चों के अनुसार जब से वे मोजो मशरूम में मजदूरी करने आए हैं, उन्हें एडवांस के अलावा एक रुपए मजदूरी नहीं दी गई है। बच्चों ने मजदूरी का पैसा मांगने पर ठेकेदार के खिलाफ मारपीट करने का आरोप लगाया है।

आधी रात नींद से जगाकर कराते थे काम

बाल मजदूरों ने अपने बयान में बताया है कि तीनों ठेकेदार उन्हें रात दो बजे जबरन नींद से जगाकर मजदूरी करने विवश करते थे। विरोध करने पर ठेकेदार बच्चों के साथ मारपीट करते थे। बाल मजदूरों ने अपने बयान में बताया है कि मशरूम फैक्ट्री में उन्हें रात दो बजे से दूसरे दिन रात साढ़े 10 बजे तक मजदूरी कराते थे।

ओवरलोड एम्स, सर्जरी ही नहीं जांच के लिए भी लंबी वेटिंग

इलाज शुरू करवाने भटक रहे मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बेहतर उपचार के लिए पड़ोसी राज्यों से आने वाले मरीजों की वजह से ओवरलोड हो चुके एम्स में सर्जरी ही नहीं, विभिन्न तरह की जांच के लिए भी मरीजों को लंबी वेटिंग मिल रही है। सीटी स्कैन जैसे जरूरी टेस्ट के लिए मरीजों को दो से तीन महीने का समय लगने की वजह से उनका इलाज देर से शुरू हो रहा है। अस्पताल में लोड इतना ज्यादा है कि सामान्य एक्स-रे और ब्लड टेस्ट की सुविधा दूसरे तीसरे दिन मिल पा रही है।

- सीटी स्कैन टेस्ट के लिए तीन महीने की वेटिंग, रिपोर्ट के लिए भी प्रतीक्षा
- एक्स-रे और मामूली ब्लड जांच के लिए भी लग रही लंबी कतार

कमर में बेहताशा दर्द की शिकायत लेकर अच्छे इलाज की उम्मीद से एम्स पहुंचे राजधानी में रहने वाले एक मरीज ने हरिभूमि को अपनी पीड़ा बताई। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इंतजार और डाक्टरों की जांच के बाद पिछले माह 28 जून को एम्स में उसका सीटी स्कैन हुआ था। उस दौरान सप्ताहभर बाद रिपोर्ट दिए जाने की बात कही गई थी, मगर अब तक उन्हें रिपोर्ट नहीं मिली है, जिसकी वजह से उनका इलाज अब तक शुरू नहीं हो पाया।

जांच रिपोर्ट काउंटर पर जाने के दौरान मौजूद कर्मचारी कोई संतोषपूर्ण जवाब नहीं दे पा रहे। इस तरह बड़ी संख्या में मरीज अपनी रिपोर्ट अथवा जांच की तारीख के लिए भटक रहे हैं। काफी मशक्कत के बाद बीमारी का सटीक पता लगाने के लिए डाक्टर उन्हें पर्ची में जांच लिखकर दे देते हैं, मगर संबंधित विभाग में जाने पर उन्हें दो से तीन महीने के बाद की तारीख दी जाती है, जिसकी वजह से मरीजों का इलाज शुरू होने में अनावश्यक विलंब होता है।

एमआरआई और पैट सीटी के लिए इंतजार

सीटी स्कैन की तरह की एमआरआई और कैंसर प्रभावित स्थान का पता लगाने किए जाने वाले पैट सीटी स्कैन टेस्ट के लिए भी तीन से चार महीने का वक्त लग रहा है। कई बार शीघ्र इलाज शुरू होने की आस में मरीज निजी चिकित्सकीय संस्थानों में जाकर अपनी जांच करवा लेता है। इस बारे में तर्क दिया जाता है कि प्रतिदिन दो हजार की संख्या में होने वाली ओपीडी और तीन से चार सौ की आईपीडी की वजह से ऐसा होता है।

संसाधन सीमित, निर्माण भी धीमा

एम्स प्रबंधन से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि जिस हिसाब मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उस हिसाब से यहां जरूरी संसाधनों का विस्तार नहीं हो रहा है। यहां 150 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट बनाने की योजना है, जिस पर काम शुरू हुआ, जो अभी आधा तैयार हुआ है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद मरीजों को विभिन्न तरह की जांच के साथ बेड की कमी की समस्या से राहत दिलाएगी। अभी मरीजों को नियमित रूप से आंबेडकर अस्पताल रेफर किया जाता है।

रविव के छात्राओं ने 20 से अधिक पौधे लगाए

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय परिसर के ज्ञानसरोवर कक्ष के नजदीक एनएसएस कैंप लगाया गया, जहां छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत किया गया, जहां छात्राओं ने पौधारोपण को लेकर लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर 25 छात्राओं का समूह शामिल हुआ, जिन्होंने पौधे रोपने के साथ ही उन्हें जीवित रखने के लिए निरंतर देखभाल करने की शपथ ली। साथ ही विशेष अवसर पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लिया।

जांच है या जादू... भारत ....

की है। इधर समितियों द्वारा रिपोर्ट पेश नहीं किए जाने पर कमिश्नर ने कहा कि इसकी समीक्षा करता हूं। उन्होंने यह भी कहा, अगर अब तक जांच नहीं की गई है, तो समितियों से इसका जवाब मांगा जाएगा।

40 ग्रामों से आई ....

समितियां बनाई हैं। ये समितियां 16 जून को बनाई गई थीं। इन समितियों में सक्षम अधिकारी को अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं विभिन्न तहसील क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी को शामिल किया गया है। सभी समितियों को निर्देश दिए गए थे कि एक माह के भीतर संबंधित दावा-आपत्ति व शिकायतों की जांच कर इसकी रिपोर्ट संभाग कार्यालय में प्रस्तुत करें, लेकिन इनमें से एक भी समिति अभी तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर पाई है।

भारतमाला परियोजना घोटाले...

साथ मिलकर खाता विभाजन (बटांकन) प्रकिया एवं अन्य राजस्व प्रक्रियाओं में फर्जीवाड़ा करने के एवज में किसानों से कमीशन लेने का आरोप है।

बांटा गया चावल ...

कोरबा-92.72, कोरिया- 96.24, महासमुंद - 91.43, महेंद्रगढ़-चिरमिरी -93.06, मोहला-मानपुर- 95.05, मुंगेली- 97.52, नारायणपुर -88.87, रायगढ़-98.48, रायपुर- 100.36, राजनांदगांव- 96.19, सक्ती- 94.02, सारंगढ़-बिलाईगढ़-97.04,सरगुजा-91.13, सुकमा 86.50, सूरजपुर-97.00.

निगम की आंख ....

होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए यह कदम उठाया है। बुधवार को जोनवार विभिन्न मार्गो पर आवारा मवेशियों को पकड़ने अधिकारियों और कर्मचारियों की डयूटी लगा दी गयी है। राजधानी के प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों से लेकर वीआईपी मार्ग सहित रिहाइशी इलाके में मवेशियों के झुंड से सड़क

पेज 11 के शेष ...

यातायात बाधित होने और निगम के मवेशी पकड़ो अभियान के ठप पड़ने से शहर वासी परेशान हैं। जन शिकायत की ऑनलाइन शिकायत प्रणाली निदान में भी शहर के अलग-अलग इलाकों से लोग फोन कर मवेशी और कुत्ते पकड़ने की गुहार लगा रहे हैं।

जोनवार चिन्हांकित एरिया ....

पहाड़ी चौक से गुढ़ियारी पड़ाव तक। नोडल अधिकारी - डॉ. आरके डोंगरे, सहायक अधिकारीजोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया, वाहन प्रभारी सहित 3 सहायक कर्मचारी की डयूटी। पकड़े गये मवेशियों को गोकुलनगर गौठान में रखने की डयूटी लगायी गयी है। ***जोन 3*** - शंकर नगर भगतसिंह चौक, खम्हारडीह, विधानसभा मार्ग, तेलीबांधा मार्ग, लोधी पारा, पंडरी रोड, पंडरी एलआईसी कार्यालय, वीरांगना अवंति बाई चौक सहित जोन अंतर्गत सभी मुख्य मार्ग। नोडल अधिकारी - जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, सहायक अधिकारी जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन तांडी, वाहन प्रभारी सहित 2 कर्मचारी की डयूटी। पकड़े गये मवेशी फुंडहर गौठान में रखे जाएंगे। ***जोन 4*** - निगम मुख्यालय भवन से पुरानी बस्ती, बूढ़ापारा मार्ग, कटोरातालाब रोड, तात्यापारा, सिविल लाइन आकाशवाणी मार्ग, मरीन ड्राइव से आमापारा चौक सिविल लाइन एवं अन्य मुख्य मार्ग। नोडल अधिकारी - जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव, सहायक अधिकारी विरेन्द्र चंद्राकर,वाहन प्रभारी सहित 4 कर्मचारियों की डयूटी। ***जोन 5*** - पुरानी बस्ती, लाखेनगर चौक, लीली चौक, रायपुरा चौक, सुंदर नगर, कुशालपुर, चंगोराभाठा, गोल चौक, तिरंगा चौक, कृष्णानगर, डीडीनगर, महादेवघाट मार्ग सहित अन्य मुख्य मार्ग। नोडल अधिकारी -जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, सहायक अधिकारी जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा, वाहन प्रभारी सहित 3 कर्मचारी की डयूटी। आवारा मवेशियों को पकड़कर लाखेनगर कांजी हाउस, अटारी गौठान में रखा जाएगा। ***जोन 6*** - अंतर्राज्यीय बस स्टेंड, तरुण बाजार, भाठागांव बाजार,सिद्धार्थ चौक से पचपेड़ीनाका, संतोषी नगर चौक मार्ग, अन्य प्रमुख मार्ग। नोडल अधिकारी- जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव, सहायक अधिकारी आदित्य हजारी, वाहन प्रभारी सहित 3 कर्मचारी। इसी तरह ***जोन 7 क्षेत्र के*** तात्यापारा, जीई रोड, घासीदास प्लाजा, नालंदा परिसर मार्ग एनआईटी से मोहबाबाजार कोटा रोड, रामनगर से दिशा कालेज रोड, समता कालोनी आमापारा से अग्रसेन चौक मार्ग, चौबे कालोनी सहित मुख्य मार्ग। आवारा मवेशियों को अटारी,जरवाय गौठान में रखा जाएगा। नोडल अधिकारी -जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू सहायक अधिकारी, वाहन प्रभारी सहित 4 कर्मचारी की डयूटी लगाई गई है। ***जोन 8*** - रायपुरा मार्ग से महादेवघाट, सरोना चौक से सालासार मार्ग टाटीबंध, एम्स हास्पीटल से हीरापुर मार्ग, कबीर नगर मार्ग, कोटा, भारत माता चौक मार्ग टाटीबंध से एलएंड टी चौक। नोडल अधिकारी- राजेश्वरी पटेल, सहायक अधिकारी गोपीचंद देवांगन, वाहन प्रभारी सहित 2 कर्मचारी की डयूटी। ***जोन 9***- तेलीबांधा चौक से लभांडी, जोरा, कचना रोड, वीआईपी मार्ग, सड्डू, विधानसभा मार्ग। नोडल अधिकारी -जोन कमिश्नर संतोष पांडे, सहायक अधिकारी बारोन बंजारे, वाहन प्रभारी सहित 5 अन्य कर्मचारी की डयूटी। ***जोन 10*** - तेलीबांधा पुलिस थाना से श्रीराममंदिर मार्ग से फुंडहर चौक, अटल चौक से लेकर एक्सप्रेस वे,अमलीडीह, न्यू राजेंद्र नगर, महावीर नगर चौक, रिंग रोड। नोडल अधिकारी- जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, सहायक अधिकारी अमित बेहरा, वाहन प्रभारी सहित 3 सहायक कर्मचारी की डयूटी।

घेराव करने निकले...

पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोका और उन्हें जबरिया गाड़ी में बिठाकर तूता स्थित धरना स्थल ले जाकर छोड़ा। दिव्यांगों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कराने निकले, लेकिन पुलिस वालों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। दिव्यांगों ने पुलिस पर दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया है।

सीआरपीएफ के सर्वश्रेष्ट ....

शांति और सुरक्षा के प्रति उनके समर्पण और महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर 254 कैंपों में सर्वश्रेष्ठ कंपनी लोकेशन चुना गया। सी-229 बटालियन, फुटकेल, बीजापुर और बी-50 बटालियन करीगुंडम, सुकमा को संयुक्त रूप से प्रथम रनर अप घोषित किया गया।

समक्ष पब्लिक नोटरी रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

:: शपथ पत्र ::

मैं श्री टिकेश कुमार साहू, उम्र 42 वर्ष, पिता श्री वासुदेव राम साहू, निवासी मकान नं 26, फेस 01, शिवा रेसिडेंसी, मठपुरैना, रायपुर, जिला रायपुर (छःगः) 492001 का निवासी हूँः-

मै शपथकर्ता निम्नानुसार शपथ पूर्वक कथन पेश करता हूँ कि-

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है।
2. यह कि, मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में मेरे पिता जी का नाम वासुदेव राम साहू (**VASUDEO (RAM SAHU**) लिखा हुआ व मेरे माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल के 10वी के अंकसूची में मेरे पिता जी का नाम वासुदेव साहू (**VASUDEV SAHU**) लिखा हुआ है।
3. यह कि, मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड के अनुसार मेरे पिता जी का नाम वासुदेव राम साहू (**VASUDEO (RAM SAHU**) सत्य व सही है, व यही नाम मै अपने 10वी के अंकसूची में दर्ज करवाना चाहता हूँ तथा जो भी भविष्य में कुछ परेशानी होती है तो उसकी सारी जिम्मेदारी मेरे स्वंय की होगी।
4. यह कि यह शपथ पत्र को अपने पिता के नाम को प्रमाणीत करने हेतु प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

- सत्यापन -

मैं उपरोक्त शपथकर्ता शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका 1 से 4 तक मे लिखी समस्त बातें मेरी स्वयं की जानकारी मे सत्य है। अतः अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

स्थान- रायपुर छ.ग.
दिनांक- 16/07/2025

टिकेश
शपथकर्ता

ईश्तहार

पत्र क्रं /21564/ न. पा. नि. /जोन क्रं -10/2025
रायपुर, दिनांक 26-06-2025
नामंतरण प्र.क्र. 21564
वार्ड का नाम -55- रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651G4B229 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती Vinod Sharma पिता / पति श्री / श्रीमती S/O Ramesh Sharma के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती Richa Sharma पिता / पति श्री/श्रीमती W/O Yeekeshwar Prasad Sharma ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे।

श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना
(Public Notice)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अपने पक्षकार श्री किरीत देशमुख, निवासी-28/1131, गौरा गौरी चौक, राजधानी ऑटो केयर के पीछे, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) के निर्देशानुसार, यह सार्वजनिक सूचना आम जनमानस को प्रेषित कर रहा हूँ।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अमित देशमुख, जो कि मेरे पक्षकार श्री किरीत देशमुख के पुत्र हैं, उनके द्वारा विशेष विवाह अधिनियम के अंतर्गत विवाह हेतु विवाह पंजीयन अधिकारी, रायपुर (छ.ग.) के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस आवेदन की जानकारी मेरे पक्षकार एवं उनके परिवारजनों को प्राप्त हुई है, जिससे वे अत्यंत आहत एवं व्यथित हैं। यह विवाह मेरे पक्षकार, उनकी पत्नी तथा परिवार के अन्य सदस्यों की इच्छा के विरुद्ध है। अमित देशमुख परिवारजनों की बात नहीं मान रहे हैं और उनके द्वारा की जा रही यह विवाहिक प्रक्रिया स्वेच्छा से, बिना पारिवारिक सहमति के की जा रही है।

अतः मेरे पक्षकार यह स्पष्ट करते हैं कि वे अपने पुत्र अमित देशमुख से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं रखते हैं और अपने समस्त वैध अधिकारों से उसे वंचित करते हैं। भविष्य में यदि अमित देशमुख उनके नाम या संपत्ति से कोई दावा करता है, या किसी भी प्रकार का लाभ प्राप्त करने का प्रयास करता है, तो इसके लिए मेरे पक्षकार या उनके परिवार का कोई भी सदस्य उत्तरदायी नहीं होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि अमित देशमुख वर्तमान में मेरे पक्षकार के निवास स्थान से पृथक रह रहा है। यह सूचना आमजन की जानकारी हेतु जारी की जा रही है।

स्थान : रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 07.07.2024

भवदीय
प्रमोद सोनी (अधिवक्ता)
पंजीयन क्रमांकः CG/521/2008
कार्यालय : ब्राम्हण पारा, रायपुर (छ.ग.)
मोबाइलः 9926846890

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि द्वारा अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित स्वतंत्र भवन 227, को श्री ताराचन्द जायसवाल पिता श्री रामसिंग जायसवाल एवं श्रीमती बेबी भारद्वाज पति श्री धनेश्वर प्रसाद भारद्वाज के संयुक्त नाम से एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर लिया गया है एवं सेलडीड एवं एग्रीमेंट का निष्पादन किया जाना शेष है। वर्तमान श्री ताराचन्द जायसवाल पिता श्री रामसिंग जायसवाल, निवासीः-580/1, सड़क 17 बी, दुर्गा चौक, आर्दश नगर रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्रीमती बेबी भारद्वाज पति श्री धनेश्वर प्रसाद भारद्वाज, निवासीः-409, सतनामी पारा, पुराना बी.एम.टी. ऑफीस, हिरमी बलौदा बाजार (छ.ग.) के पत्र में हकत्याग करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल आवास योजना आरंग जिला रायपुर में स्थित स्वतंत्र भवन 227, के हकत्याग के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-06 (खमतराई) तहसील व जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 16.07.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री सनपला सूर्या बाबू पिता स्व. एस.के. मूर्ति निवासी टिकरापारा रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम खमतराई प.ह.नं. 38 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-06 (खमतराई) स्थित भूमि खसरा नंबर 436/11 रकबा 0.0240 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र. Q/वाचक/नायब तह. /वर्ष 2025 रायपुर के आदेश दिनांक 03.07.2025 के परिपालन में दिनांक 25.07.2025 को समय 12:00 बजे पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नंबर 38 के खमतराई स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. 06 खमतराई
तह. व जिला रायपुर

// ईश्तहार //

नामंतरण प्र.क्र. 21568/न.पा.नि./ जोन क्रं 10 /2025 रायपुर, दिनांक 26-06-2025
वार्ड का नाम- 55 रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/ भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651G0141C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती Gopal Chand Majumdar पिता/पति श्री श्रीमती S/O Niradh Majumdar के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती Shiv Moorat Tripathi पिता/पति श्री श्रीमती S/O Shiv Krishan Tripathi ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर- जोन -10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

:: उद्घोषणा ::

क्रमांक 7890 /रा.शा./रा.वि.प्रा./2025
रायपुर, दिनांक 11.07.2025

प्राधिकरण की नगर विकास योजना क्रमांक-04 कौशल्या माता विहार (कमल विहार) सेक्टर-04 योजनांतर्गत **श्रीमती लवीना अशोक बाफना पति श्री अशोक बाफना एवं श्रीमती स्मिता बाफना पति श्री राजेन्द्र कुमार बाफना** को भूखंड क्रमांक डी-40 रकबा 7948.92 वर्गफुट आबंटित है। आबंटिती **श्रीमती लवीना अशोक बाफना पति श्री अशोक बाफना एवं श्रीमती स्मिता बाफना पति श्री राजेन्द्र कुमार बाफना द्वारा दिनांक 20.06.2025 को डॉ. मंजू अग्रवाल पति डॉ. आलोक सी. अग्रवाल** को विक्रय कर दिया है। क्रेता द्वारा बैनामा की फोटो प्रति प्रस्तुत करते हुए प्राधिकरण नामांतरण हेतु आवेदन किया है

उक्त भूखंड का नामांतरण **डॉ. मंजू अग्रवाल पति डॉ. आलोक सी. अग्रवाल** के नाम से करने पर यदि किसी को कोई आपत्ति/ दावा होवें तो इस उद्घोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर प्राधिकरण के राजस्व कक्ष में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति/ दावा प्रस्तुत नही होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार नामांतरण की कार्यवाही संपादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/ दावा ग्राह्य नही होगा।

दिनांक .... को जारी।

राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण,
रायपुर छ.ग.

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस. (कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

मेल इंफर्टिलिटी
शीघ्रपतन, लिंग में तनाव की कमी वीर्य की कमी, वेरीकोसील फायमोसिस का ईलाज
मेडिसीन शॉक वेव थैरेपी पी शॉट एवं सर्जरी द्वारा
डॉ. वैभव राज सिंह
एमबीबीएस एम.एस.- लेज़र व दूरबीन सर्जन
(MBBS, MS Surgery)
Laporoscopic Laser Surgeon
Call 9890716410
LASER PILES लेजर पाईल्स क्योर
पाल्स, फिशर, फिस्टुला, वेरीकोस वेन्स, पाईलोनाईडल साइनस का लेजर द्वारा सर्जरी, 24 घंटे में छुट्टी, बिना चीरा सभी दूरबीन व लेजर सर्जरी
श्री राम शांति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल दही हाण्डी मैदान के सामने, श्रीनगर, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

डिजिटल प्रशिक्षण से दक्ष हो रहे अधिकारी-कर्मचारी

रायपुर। कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ सेंटर में जिला स्तरीय अधिकारियों को डिजिटल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिले के शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल दुनिया में सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने 16 जुलाई से एक नई पहल करते हुए प्रोजेक्ट दक्ष हम होंगे स्मार्ट" की शुरुआत की है। शासन के निर्देश पर शुरू किए गए इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत जिले के सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष और स्मार्ट बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल की मूलभूत समझ, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन सहित एमएस वर्ड, एक्सल, ईमेल, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के उपयोग और तकनीकी समस्याओं को स्वयं हल करने जैसे विषयों पर ऑन-हैंड प्रैक्टिकल सत्र के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर्स की मदद से यह चरणबद्ध प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा हैं, जिसके अंत में मूल्यांकन और प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

उद्योग प्रबंधक के लिए दावा आपत्ति प्रारंभ

रायपुर। छग लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक संचालक और उद्योग प्रबंधक के लिए आयोजित की गई भर्ती परीक्षा के मॉडल आंसर जारी कर दिए गए हैं। मॉडल आंसर पर दावा आपत्ति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अभ्यर्थी 23 जुलाई तक दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। आपत्ति केवल ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अंतर्गत रिक्त पदों पर इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से नियुक्तियां होंगी।

संतोषीनगर में निकाली अखंड दिव्य कलश यात्रा

रायपुर। अखंड दीपक प्राकट्य एवं वंदनीया माता के शताब्दी वर्ष के अवसर पर गायत्री प्रज्ञापीठ संतोषी नगर द्वारा 16 जुलाई को लालपुर क्षेत्र में अखंड दिव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा हनुमान नगर, कृष्णा नगर, अमित नगर, सुमित नगर, नव जीवन सोसाइटी, सिंचाई कालोनी में भ्रमण किया। इसी दौरान शिव परिवार द्वारा अंबेडकर चौक लालपुर में दीपयज्ञ किया गया। इस कार्यक्रम में विष्णु, दीपांकर बोस, लच्छू निषाद, मोहन लाल साहू, हीरालाल निषाद, नगरवासियों सहित माता बहनें शामिल हुए।

6 वर्ष होनी थी पहली कक्षा की प्रवेश आयु, आदेश नहीं इसलिए इससे पहले भी दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवीन शैक्षणिक सत्र में पहली कक्षा में छात्रों की प्रवेश आयु पर माथापच्ची शुरू हो गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पहली कक्षा में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 6 वर्ष की जानी थी। इस शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थी पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाला है, उस सत्र के सितंबर में छात्र की आयु 6 वर्ष पूर्ण हो जानी थी।

6 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पहले छात्रों के लिए बालवाड़ी शिक्षा का भी प्रावधान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में किया गया है। प्रवेश आयु को लेकर विधिवत आदेश जारी नहीं होने के कारण विद्यालय पूर्व की तरह 5 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को भी पहली कक्षा में प्रवेश प्रदान कर रहे हैं। स्कूलों में पूर्व की गाइडलाइन के आधार पर ही छात्रों को दाखिले दिए जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत सभी राज्यों की शिक्षा व्यवस्था में एकरूपता लाने की कोशिश की जा रही है, ताकि एक बोर्ड से दूसरे बोर्ड में जाने पर छात्रों को अधिक समस्या ना हो।

विशेषकर सीबीएसई द्वारा आयु को लेकर बरती जाती है सख्ती

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत होना था बदलाव, सितंबर तक 6 वर्ष की आयु पूर्ण होना आवश्यक
- शासकीय के साथ निजी विद्यालय भी असमंजस में, विधिवत आदेश अब तक नहीं

फाइल फोटो

स्पष्ट करें स्थिति

शासन को चाहिए की स्थिति स्पष्ट करें। निजी विद्यालय भी असमंजस की स्थिति में हैं। छात्रों को भविष्य में दिक्कतें उठानी पड़ सकती हैं।
- **राजीव गुप्ता,** अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

...इसलिए दिक्कत

शुरुआती कक्षा में छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती है। लेकिन बोर्ड कक्षाओं में आयु को लेकर स्पष्ट निर्देश होते हैं। निर्धारित आयु पूर्ण करने पर ही छात्र संबंधित बोर्ड परीक्षा में शामिल हो सकता है। उम्र कम होने पर बोर्ड छात्रों को कक्षा रिपीट करने कहा जाता है। पांच वर्ष की आयु में पहली कक्षा में प्रवेश लेने के बाद जब छात्र पहली बार बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन करेगा, उस दौरान फॉर्म रिजेक्शन सहित अन्य तरह की समस्याएं आएंगी। विशेषकर सीबीएसई द्वारा आयु को लेकर सख्ती बरती जाती है।

फेडरेशन का कलेक्टोरेट में प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन

एक ही दिन में तीन कर्मचारी संगठनों ने बोला हल्ला, रैली निकाली, किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी सहित नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर बुधवार को तीन कर्मचारी संगठनों ने हल्ला बोल प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर प्रदेशभर में कर्मचारी, अधिकारियों ने मोदी की गारंटी लागू करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। कलेक्टोरेट गार्डन से रैली निकालकर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

वहीं नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने काम ठप कर धरना दिया। धरना स्थल पर सरकारी स्कूलों के अंशकालीन सफाई कर्मचारी भी अलग-अलग जिलों से पदयात्रा करते एकजुट हुए और धरना स्थल से नारेबाजी करते हुए सीएम हाउस घेराव के लिए निकले। पुलिस प्रशासन ने उन्हें अंडरब्रिज के पास बैरिकेड लगाकर आगे बढ़ने से रोक दिया।

- पदयात्रा कर धरना स्थल पहुंचे स्कूल सफाई कर्मचारी, संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर

10 सूत्रीय मांग, जिला व विकासखंड में निकाली रैली

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आव्हान पर राजधानी से लेकर सुदूर अंचलों तक सभी जिला और विकासखंड मुख्यालयों में कर्मचारी, अधिकारियों ने बैनर पोस्टर के साथ रैली निकाली। प्रशासकीय सेवकों और पेंशनरों को केन्द्र के समान डीए, डीआर देने, चार स्तरीय वेतनमान और केन्द्र के समान 33 वर्ष के स्थान पर 25 वर्ष सेवा पूरी करने पर पूर्ण पेंशन देने, निःशर्त अनुकंपा नियुक्ति सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर नारेबाजी की। फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा, जीआर चंद्रा, चंद्रशेखर तिवारी, बीपी शर्मा, राजेश चटर्जी, रोहित तिवारी, मनीष मिश्रा, बिंदेश्वर रौतिया, संजय सिंह ठाकुर, राकेश शर्मा, पंकज पांडेय, विजय झा, राजनारायण द्विवेदी, भागवत कश्यप, आरएन ध्रुव, हरिमोहन सिंह, टारजन गुप्ता, मुक्तेश्वर देवांगन, होरीलाल छेदइया ने नारेबाजी के बाद मोदी की गारंटी लागू करवाने ज्ञापन सौंपा।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, दो दिवसीय हड़ताल

छत्तीसगढ़ प्रदेश एएनएचएम कर्मचारी संघ के आव्हान पर 16 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी नियमितीकरण सहित दस सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर रहे। लामबंद कर्मचारियों ने जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की दो दिवसीय हड़ताल के कारण टीबी, कुष्ठ, मलेरिया, टीकाकरण, लैब की जांच, दवा वितरण, स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, नवजात शिशुओं की देखभाल, पोषण पुनर्वास केन्द्र, बुजुर्गों की फिजियोथैरेपी, मौसमी स्वास्थ्य बीमारियों की रोकथाम जैसी सेवाओं पर असर पड़ा है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 17 जुलाई को नवा रायपुर के धरना स्थल से मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने बड़ी संख्या में निकलेंगे।

तूता धरना स्थल पर स्कूल सफाई कर्मचारियों की गहमागहमी, पदयात्रा कर पहुंचे

प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी विभिन्न जिलों से पदयात्रा कर तूता स्थित धरना स्थल पर पहुंचे। इससे सुबह से लेकर शाम तक खासी गहमागहमी रही। पूर्ण कालीन कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान, युक्ति युक्त करण के तहत प्रभावित कर्मचारियों को यथावत काम पर रखने की मांग कर्मचारी कर रहे थे। बड़ी संख्या में जुटे स्कूल सफाई कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री निवास घेराव करने रैली निकाली। इसे पुलिस बल ने अंडरब्रिज के पास बैरिकेड लगाकर रोक दिया। नाराज कर्मचारी वहीं पर बैठकर प्रदर्शन कर लगे। छत्तीसगढ़ अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर स्कूल सफाई कर्मचारी 15 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

बीबीए में 65 प्रतिशत छात्र ही हो सके उत्तीर्ण, 128 के परिणाम रोके गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बुधवार को 9 विभिन्न सेमेस्टर कक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए। बीबीए छठवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम 65.12% रहे हैं। इस परीक्षा में 625 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 407 उत्तीर्ण रहे। 77 छात्रों को पूरक श्रेणी में रखा गया है, जबकि 13 छात्रों को फेल घोषित किया गया। विवि ने परीक्षा में शामिल 128 छात्रों के नतीजे रोक गए हैं। हालांकि इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं किया गया है। परिणाम 65.12 प्रतिशत रहे हैं। वहीं एमए इतिहास चतुर्थ सेमेस्टर में 84.27% छात्र सफल रहे। 89 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दिलाई थी। इनमें से 75 उत्तीर्ण रहे। एक अनुत्तीर्ण, 4 एटीकेटी तथा 9 के नतीजे विवि प्रबंधन ने रोके हैं।

- एमए इतिहास में 84 प्रतिशत छात्र सफल, 9 सेमेस्टर कक्षाओं के परिणाम घोषित

इंटीरियर डिजाइनिंग में सभी उत्तीर्ण

बीवॉक इंटीरियर डिजाइनिंग छठवें सेमेस्टर के नतीजे 100 प्रतिशत रहे। मात्र 17 छात्रों ने इसकी परीक्षा दिलाई थी। इंटीरियर डिजानिंग दूसरे सेमेस्टर के नतीजे 81% रहे। 33 छात्र इसमें शामिल हुए थे। 17 विद्यार्थियों ने इसकी परीक्षा दिलाई थी। इनमें से सभी सफल रहे। एमए अर्थशास्त्र पुराने पाठ्यक्रम की परीक्षा में 24 छात्र शामिल हुए थे। इनमें भी सभी उत्तीर्ण रहे। बीएड प्रथम सेमेस्टर एटीकेटी की परीक्षा में शामिल 48 छात्रों में से 40 उत्तीर्ण रहे। इसके अलावा एमएससी भूगोल के परिणाम 93% रहे।

शनि-रविवार को नहीं चलेगी कई लोकल ट्रेन, सरोना-उरकुरा के बीच 15 घंटे का ब्लाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दुर्ग से बिलासपुर के बीच शनि-रविवार को कई लोकल ट्रेन का संचालन नहीं होगा। रेल प्रशासन द्वारा सरोना-उरकुरा के बीच कुल 15 घंटे का ब्लाक लिया जाएगा। इस अवधि में दोनों स्टेशनों के बीच बाइपास डबल लाइन सेक्शन में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का काम किया जाएगा। 19 जुलाई को गोंदिया-झारसुगुड़ा ट्रेन का संचालन बिलासपुर से किया जाएगा।

रेलवे द्वारा 19 जुलाई शनिवार की शाम 4 से 20 जुलाई रविवार को सुबह 7 बजे तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य पूरा किया जाएगा। इसकी वजह से कुछ लोकल और पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। 19 जुलाई को रायपुर-दुर्ग-रायपुर के बीच चलने वाली तीन ट्रेनें, बिलासपुर-रायपुर के बीच संचालित होने वाली दो पैसेंजर ट्रेनों का संचालन नहीं किया जाएगा। इसी तरह गोंदिया-झारसुगुड़ा के बीच आवाजाही करने वाली पैसेंजर ट्रेन बिलापुर से झारसुगुड़ा के बीच रद्द रहेगी। 20 जुलाई को रायपुर-दुर्ग-रायपुर पैसेंजर ट्रेन का संचालन नहीं किया जाएगा। इस दिन डोंगरगढ़ से रायपुर के बीच चलने वाली पैसेंजर ट्रेन अपने निर्धारित समय से डेढ़ घंटे विलंब से चलेगी। ट्रेनों का संचालन विलंब से होने की वजह से नियमित रूप से आवाजाही करने वाले यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ेगी। सिग्नल का काम आटोमैटिक होने के बाद ट्रेनों का परिचालन उस सेक्शन में और तेजी से होगा।

- बाइपास डबल लाइन सेक्शन में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का काम

आधी रात से शुरू हुई बारिश, सुबह तक चला दौर अब सिस्टम आगे बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में आधी रात बाद शुरू हुई बारिश का दौर सुबह तक हल्के से मध्यम रूप में जारी रहा। इसके बाद दिनभर धूप-छांव का खेल जारी रहा। बारिश का कारण बनने वाला सिस्टम अब आगे बढ़ गया है और इसका असर एमपी से लगे सरगुजा संभाग के शहरों में होने की संभावना है। राज्य में अब व्यापक बारिश का दौर अंतिम सप्ताह में बनने के आसार हैं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अभी असर दिखाने वाला सिस्टम काफी शक्तिशाली था, मगर उसके साथ सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ ने व्यवधान खड़ा कर दिया, जिससे बारिश की मात्रा पूरे मध्य भारत में कम हो गई। छत्तीसगढ़ में केवल बिलासपुर और सरगुजा में इसका अच्छा असर नजर आया और रायपुर समेत मध्य क्षेत्र में हल्की बारिश होती रही। मंगल-बुधवार की दरम्यानी रात शहर में लगभग 2 बजे बारिश शुरू हुई और सुबह 7 बजे तक इसका दौर जारी रहा। इसके बाद दिनभर धूप-छांव की स्थिति बनी रही और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पिछले चौबीस घंटे में रामानुजगंज में 120 मिमी., चलगल में 110, सुहेला, दौरा कोचली में 100 मिमी, रामचंद्रपुर, तखतपुर में 90-90, कुसमी, बलरामपुर, पलारी में 80-80, शंकरगढ़, सिमगा में 70-70, लालपुर थाना, राजपुर, राजनांदगांव, मुंगेली, तिल्दा, भैयाथान में 60-60 मिमी. बारिश हुई। गुरुवार को राज्य के सरगुजा जिले के सीमावर्ती शहरों में भारी बारिश और अनेक स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

- एमपी से लगे सरगुजा में ही रहेगी वर्षा की गतिविधि

राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में मिनिस्ट्रियल अवार्ड लेने सभापति राठौर दिल्ली रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम को राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छ शहर के लिए मिनिस्ट्रियल अवार्ड के लिए चुना गया है। इस सम्मान को प्राप्त करने नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री-सुनील चंद्राकर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को नई दिल्ली रवाना हुआ। यह अवार्ड 17 जुलाई को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया जाएगा। स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य के सात नगरीय निकाय इस मौके पर पुरस्कृत होंगे। समारोह में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू पुरस्कार प्रदान करेंगी।

राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में देश के 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर में राज्य स्तर पर रायपुर नगर निगम को मिनिस्ट्रिलय अवार्ड प्रदान किया जायेगा। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नगर निगम रायपुर को यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा। अवार्ड लेने सभापति सूर्यकांत राठौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर के साथ नगर निगम की टीम दिल्ली रवाना हुई। इस टीम में अपर आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता, विनोद पांडे, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी रघुमणि प्रधान, सहायक नोडल अधिकारी योगेश कडू, विशेषज्ञ प्रमीत चोपड़ा, सूरज चंद्राकर शामिल हैं। यह टीम अवार्ड प्राप्त करने के बाद 18 जुलाई को रायपुर लौटेगी। 17 जुलाई को आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव विभागीय अधिकारियों और संबंधित निकायों के प्रतिनिधियों के साथ पुरस्कार ग्रहण करेंगे। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को प्रेसीडेन्ट्स अवार्ड प्रदान करेंगी। स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम 3 लाख से 10 लाख आबादी की श्रेणी वाले शहर में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार जनसंख्या तक की श्रेणी में और बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी के लिए चयनित किया गया है। वहीं रायपुर नगर निगम को राज्य स्तर पर स्वच्छता में अच्छे कार्यों के लिए केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मिनिस्ट्रियल अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

- विज्ञान भवन में समारोह का आयोजन आज
- राज्य के सात नगरीय निकाय होंगे पुरस्कृत

श्री नारायणा हॉस्पिटल में जटिल एंजियोप्लास्टी वर्कशॉप हुई

रायपुर। देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल में मंगलवार को एक दिवसीय काम्पलेक्स एंजियोप्लास्टी वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का नेतृत्व हॉस्पिटल के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मनोज गुप्ता एवं उनकी विशेषज्ञ टीम ने किया। इस अवसर पर ऐसे पाँच जटिल हृदय रोगियों की सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी की गई, जिन्हें अन्य जगहों में उनके हृदय रोगों की जटिलता को देखते हुए एंजियोप्लास्टी संभव नहीं है, समझाया गया था। हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ सुनील खेमका ने जानकारी दी कि पहले ऐसे जटिल मामलों में केवल बायपास सर्जरी ही एकमात्र विकल्प हुआ करता था। लेकिन अब आईवस और रोटॉआब्लेशन जैसी उन्नत तकनीकों की मदद से बिना ओपन हार्ट सर्जरी के ही एंजियोप्लास्टी संभव हो सकी है। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से मरीजों को सुरक्षित, कम समय में और कम जोखिम के साथ स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया जा रहा है।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ बड़ौदा ने रायपुर में नए अंचल कार्यालय का किया उद्घाटन

रायपुर। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने रायपुर में अपने नए अंचल कार्यालय का उद्घाटन किया। यह कार्यालय पूरे छत्तीसगढ़ राज्य को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगा।

उद्घाटन समारोह का आयोजन वर्चुअल माध्यम से हुआ, जिसमें वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव एम. नागराजू, आईएएस ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर आशीष माधवराव मोरे, आईएएस और बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ देबदत्त चांद समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। श्री नागराजू ने बैंक को छत्तीसगढ़ के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने की सलाह दी। श्री चांद ने एमएसएमई, कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की प्रतिबद्धता जताई। बैंक ऑफ बड़ौदा वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 212 शाखाओं और 1600 से अधिक कर्मचारियों के माध्यम से सेवाएं दे रहा है, जिसमें 66% शाखाएं ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने हाई-स्ट्रेंथ स्टील उत्पादन इकाई शुरू की

रायपुर। आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने गुजरात के हजीरा संयंत्र में अत्याधुनिक कंटीन्युअस गैल्वनाइजिंग लाइन की शुरुआत की है, जो भारत में 1180 मेगापास्कल तक की मजबूती वाला एडवांस हाई-स्ट्रेंथ स्टील तैयार करेगी। यह देश की पहली ऐसी इकाई है जो ऑटोमोबाइल सेक्टर की जरूरतों के लिए स्थानीय स्तर पर मजबूत, हल्की और ईंधन-कुशल स्टील का उत्पादन करेगी। यह परियोजना 60,000 करोड़ की विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका शुभारंभ 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। इसके जरिए अब तक आयात पर निर्भर उच्च-ग्रेड स्टील की घरेलू आपूर्ति संभव होगी। यह पहल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' को मजबूती देती है।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 17 जुलाई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

नदियों और नालों को लांघने की मनाही ...

लाइव इवेंट

महिला रोग विशेषज्ञ चिकित्सक ने दी बेहतर जीवनशैली की सलाह

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ क्वींस की ओर से पहली जनरल मीटिंग का आयोजन किया गया। एक दिवसीय बैठक की अध्यक्षता वसुंधरा मंधान ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2025-2026 में सामाजिक कार्यों की सूची तैयार करना रहा, ताकि संस्था द्वारा सामाजिक स्तर पर लोगों की मदद की जा सके। इस दौरान क्लब की अध्यक्ष दीपिंदर कौर एवं सचिव प्रभजीत कौर भाटिया ने एक वर्ष के सेवा कार्यों की सूची प्रस्तुत की। जिन्होंने बताया कि विगत वर्ष 2024-25 में कई सेवा कार्य सफलतापूर्वक किए गए हैं। ऐसे में उद्यमी महिलाओं के व्यवसाय को बढ़ावा, जरूरतमंद बच्चों की आर्थिक रूप से सहयोग, स्वास्थ्य शिविर और निशुल्क स्टेशनरी वितरण के कार्य किए गए हैं। वहीं, क्लब की महिलाओं को पारंपरिक तीज त्यौहार से अवगत कराने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है।

रोटरी क्लब ऑफ क्वींस की वर्षीय बैठक

बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में गायनकोलॉजिस्ट डॉ. नीरज पहलाजानी उपस्थित रही, जिन्होंने महिलाओं को हार्मोनल बदलाव, जीवनशैली सुधार, नियमित स्वास्थ्य परिक्षण, मानसिक संतुलन से जुड़ी कई विचार साझा किया। साथ ही महिलाओं को बेहतर जीवनशैली की ओर प्रोत्साहित किया। इस दौरान क्लब की सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति दर्ज की गई, जिन्होंने प्रेरणा, परिवर्तन और सेवा का संगम का संकल्प लिया। इस वर्ष समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए व्यक्तिगत विकास और जागरूकता अभियान पर जोर दिया जाएगा। वर्तमान में रोटरी क्लब ऑफ क्वींस की 200 महिलाएं सक्रिय तौर पर जनहितकारी कार्य कर रही हैं, जो समाज सेवा के साथ-साथ महिलाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनी हुई है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी भावनाएं और गतिविधियों को इमोजी से कर रहें हैं बयां

फीलिंग्स शेयर करने यूथ की फेवरेट बनी इनबिल्ट इमोजी लाल दिल, हंसता हुआ चेहरा और लाडली क्राइंग फेस

इमोजी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भावनाओं को शीघ्रता से प्रभावी व रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत करने का सबसे पसंदीदा माध्यम बना है। इनबिल्ट इमोजी यानी जो पहले से ही लोगों के स्मार्टफोन, लैपटॉप आदि में हैं, उसी का इस्तेमाल अधिक किया जा रहा है। हर स्मार्टफोन यूजर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर खुशी, सफलता, दुख, क्रोध, नाराजगी, शर्मिंदगी, प्यार, स्नेह, वर्किंग, टूरिज्म टाइम, खान-पान जैसे विविध भाव व गतिविधियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रसारित करने इनबिल्ट इमोजी का उपयोग धड़ल्ले से कर रहा है। आज विश्व इमोजी-डे है।

रायपुर। आज ही के दिन 2014 में विश्व इमोजी दिवस मनाने की शुरुआत हुई। इस खास दिन का भरपूर आनंद लेने के लिए ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विश्व इमोजी दिवस उन इमोजी का उत्सव है, जिनका हम अपने दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं। इस विशेष दिन को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग हमारे समय में इमोजी के महत्व के बारे में अधिक जान सकें। हरिभूमि टीम ने भी शहर के कुछ यूथ से उनके द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चैटिंग व पोस्ट शेयरिंग के समय भावनाओं को अपने फ्लोवर्स, फ्रेंड्स से शेयर करने कौन सी इमोजी का अधिक प्रयोग कर रहे हैं? इनमें उनका फेवरेट इमोजी कौन-सा है? बातचीत कर जानने की कोशिश की।

स्कूलों बच्चों को क्रिएटिव बनाने इमोजी डे का चलन

बहुत से नर्सरी स्कूलों में बच्चों के मनोरंजन व कलर, व्यवहार आदि की पहचान के साथ-साथ उन्हें रचनात्मक बनाने इमोजी डे मनाने का चलन भी शुरू हो गया है। इसमें अलग-अलग इमोजी के स्टिकर, टेडी, बलून, ड्राइंग इमेज से डेकोरेट कर बच्चों को इमोजी की पहचान व मतलब खेल-खेल में सिखाया जा रहा है। इस तरह से इमोजी का क्रेज बच्चों से लेकर युवा तक हर वर्ग में बढ़ा है।

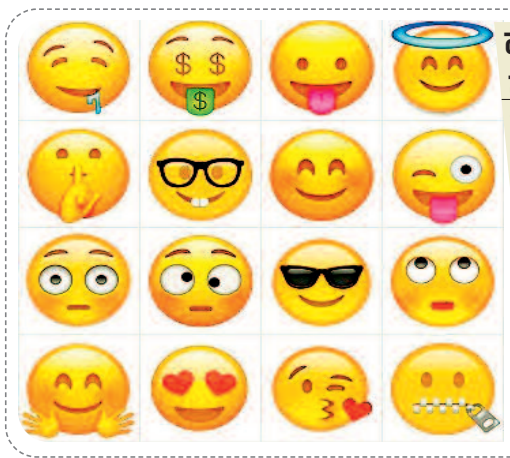

मार्केट में आए इमोजी स्टिकर टेडी, होम डेकार गैजेट्स

मालवीय रोड फैंसी डेकॉर शॉप के मालिक विजय सिंह ने बताया कि इमोजी वाले सोफा कुसन, बर्थ डे बलून, टी-कप, कार के लिए बबल हेड डॉल इमोजी, मोबाइल कवर पर हार्ट, स्माइली टाइप इमोजी, लैपटॉप, पानी बॉटल, घरों में इंडोर प्लांट गमले पर इमोजी स्टिकर्स, स्टूडेंट्स की बैग्स के लिए की-रिंग इमोजी टेडी, इमोजी वाले पेन-पेंसिल पर्स, इमोजी प्रिंट बॉल जैसे कई तरह-तरह के इमोजी आयटम व डेकोरेटिव गैजेट्स मार्केट में उपलब्ध हैं। इन इमोजी डेकोरेशन आयटम की मार्केट लगातार बढ़ रहा है।

विश्व इमोजी डे

सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली इमोजी फेस विद टियर्स ऑफ जॉय

मनीत खनूजा ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया इनबिल्ट इमोजी का उपयोग करना सबसे ज्यादा पसंद है। इसी तरह हर्षित शर्मा ने बताया कि वे सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली इमोजी फेस विद टियर्स ऑफ जॉय (खुशी और हंसी को दर्शाने वाले इमोजी) का उपयोग करना पसंद करते हैं। इसके बाद लाल दिल और लॉडली क्राइंग फेस भी बहुत लोकप्रिय हैं। इमोजी छोटे डिजिटल आइकन होते हैं जो विचारों, भावनाओं और वस्तुओं को व्यक्त करने के लिए उपयोग किए जाते हैं। ये हमारे संवाद का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। विशेष रूप से मोबाइल उपकरणों पर लगभग 3,600 से अधिक मानकीकृत इमोजी उपलब्ध हैं, जो लगभग सभी उपकरणों और प्लेटफार्मों पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

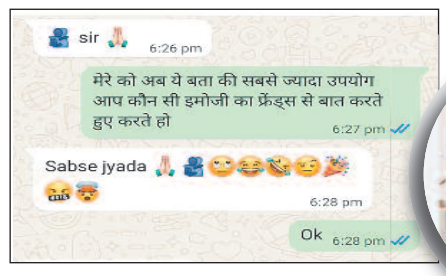

इमोजी में जैसे खुशी के आंसू, लाल दिल और हाथ जोड़ना। फोन जैसे कुछ गैजेट एआर इमोजी की सुविधा प्रदान करते हैं, जहां आप अपने चेहरे के हाव-भाव की नकल करने वाले या वास्तविक पृष्ठभूमि पर चलने वाले 3-डी इमोजी बना सकते हैं। आप कस्टम इमोजी स्टिकर भी बना सकते हैं और उन्हें संदेशों या सोशल मीडिया पर उपयोग कर सकते हैं।

बबल एआई कीबोर्ड फोंट्स इमोजी भी ट्रेंड में

इमोजी यूजर हरशित शर्मा ने बताया कि आजकल बबल एआई कीबोर्ड फोंट्स इमोजी का उपयोग युवाओं में ट्रेंड कर रहा है। इसमें यह होता है कि सामान्य तौर पर फोंट्स चैट को वह इमोजी फीचर में बदल कर चैट को मजेदार बनाता है। बबल एआई कीबोर्ड फोंट्स इमोजी भी एक तरह से नया इमोजी एप है, जिसका यूजर्स अपनी फिलिंग को शेयर करने के लिए उपयोग करना पसंद कर रहे हैं।

सिटी इवेंट

वर्तमान में व्यक्तिगत आकांक्षाओं का बोझ तनाव का कारण : व्याख्याता

रायपुर। एनआईटी में ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस विभाग की ओर से बुधवार को दो दिवसीय तनाव प्रबंधन कार्यशाला का प्रारंभ किया गया। विभाग परिसर में आयोजित कार्यशाला में संस्थान के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव, विभागाध्यक्ष डॉ. समीर बाजपेयी, विभागाध्यक्ष आईटी डॉ. सुधाकर पांडेय सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. समीर बाजपेयी ने कहा कि वर्तमान में व्यक्तिगत आकांक्षाओं का बोझ तनाव का कारण बनता है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसी कार्यशालाएं संस्थागत विकास में सहायक सिद्ध होंगी। डॉ. सुधाकर पांडेय ने कहा कि कार्यस्थल की भागदौड़ में तनाव सामान्य है, लेकिन उसे कार्यस्थल तक सीमित रखना और घर पर अपने मन को रीसेट करना आवश्यक है।

तनाव से बचने के लिए मन को शुद्ध रखें

व्यक्ति को तनाव से बचने के लिए मन को शुद्ध रखना जरूरी है, जो आपसी संवाद, सही विचार और सही विश्लेषण से संभव है। जीवन में आर्थिक पक्ष के साथ-साथ मानसिक व भावनात्मक पक्ष का भी सही होना जरूरी है। डॉ. हीना ने बताया कि कार्य व जीवन संतुलन का अर्थ है, व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाए रखना। दोनों के बीच सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि एक क्षेत्र की समस्याएं दूसरे क्षेत्र में ना हो। गुरुवार को कार्यशाला का अंतिम दिन है, जहां सभी विभाग के सदस्य व विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा।

पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच सीमाएं तय करें

इस दौरान डॉ. एन वी रमना राव ने कहा कि खराब कार्यशैली जीवन में तनाव उत्पन्न कर सकती है। चिंता और अवसाद लगातार दबाव एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के जोखिम को बढ़ाते हैं। इससे नींद की समस्या, रिश्तों में खटास और शारीरिक स्वास्थ्य में गिरावट भी देखी जा सकती है, विशेषकर जब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं हावी हो जाती हैं। जीवन में संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए व्यावहारिक रूप से उपाय तैयार किया गया है। जैसे पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच सीमाएं तय करना, ध्यान, रुचिकर गतिविधियां और व्यायाम करना। साथ ही, व्यक्ति को ना कहना सीखना चाहिए, ताकि खुद को ज़्यादा भार से बचाया जा सके। जरूरत पड़ने पर ब्रेक लेना, काम को बांटना और सहयोग करना, जिम्मेदारियां साझा करना, डिजिटल डिटॉक्स अपनाना और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिकों से चर्चा करना ।

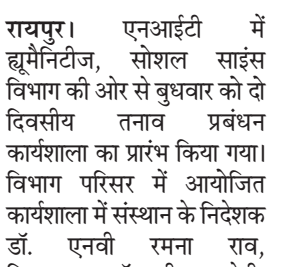

सांप जीवन तंत्र के अभिन्न अंग, चूहों का शिकार करके बनते हैं समाज के लिए लाभकारी

रायपुर। सांप जीवन तंत्र के अभिन्न अंग हैं। चूहों के जैसे कई ऐसे जीव-जंतु होते हैं, जो मानव समाज के लिए हानिकारक होते हैं। इनका शिकार करते हुए सांप मानव समाज के लिए लाभकारी होते हैं। इनके संरक्षण और बचाव को लेकर 15 और 16 जुलाई को नवा रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी में 'सांप संरक्षण एवं बचाव' विषय पर कार्यशाला की गई। इसका मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों को सांपों के प्रति सजग बनाना, उनके संरक्षण के महत्व को समझाना और सांपों के बचाव और सुरक्षित तकनीक का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। इसमें रायपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे पुलिस कर्मियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जंगल सफारी के संचालक थेजस एस. के मार्गदर्शन में कार्यशाला संपन्न हुई।

संरक्षित प्रजातियों में किया गया शामिल

प्रशिक्षण में नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी की टीम ने अहम भूमिका निभाई। एम. सूरज, मोइज अहमद, विवेक शर्मा, निमिष किरण शर्मा, चेतन गजेन्द्र और मयंक बागची ने अपने-अपने विषयों की विशेषज्ञता के तहत प्रतिभागियों को गहन प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सांपों के प्रजातियों की पहचान, विषैले एवं गैर-विषैले सांपों में अंतर और उनके महत्व को भी बताया। निमिष किरण शर्मा ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत में सांप संरक्षित प्रजातियों में आते हैं। सांपों का शिकार, व्यापार या उन्हें मारना कानूनी तौर पर अपराध है। जिसके लिए कठोर दंड का भी प्रावधान है। प्रशिक्षण में मयंक बागची ने सांप का बचाव, प्रोटोकॉल और रिहाई प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण से छोटे-छोटे बिंदुओं को समझाया। जैसे कि रेस्क्यू के समय प्राथमिक सुरक्षा उपाय, उपकरणों का सही उपयोग और सुरक्षित रिहाई की विधि। इस व्यावहारिक सत्र ने प्रतिभागियों को मौके पर रेस्क्यू की स्थिति का सामना करने के लिए अधिक सक्षम बनाया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला की पुलिस कर्मियों ने भी सराहना की।

महाविद्यालय में शासकीय बजट में राजस्व व्यय व पूंजी पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

रायपुर। डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यालयीन प्रबंधन पर दस दिवसीय एफडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रीति मिश्रा ने की। वहीं, मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बृजेशनाथ पांडे रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिश्रा ने शासकीय बजट पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, किसी भी इकाई में आय व्यय को ध्यान में रखते हुए बजट का निर्धारण किया जाता है। प्रतिदिन होने वाले खर्च को राजस्व व्यय कहा जाता है। इसी प्रकार से भवन निर्माण या आवश्यक सामग्री खरीदी को पूंजीगत व्यय कहा जाता है। राजस्व व्यय एक वित्तीय वर्ष के लिए होता है, जबकि पूंजीगत व्यय लंबे समय के लिए हो सकता है। बजट निर्माण करते समय ध्यान रखें कि उक्त योजना केंद्र सरकार की है या राज्य सरकार की। विगत दो वर्षों के बजट को ध्यान में रखते हुए पांच प्रतिशत की वृद्धि दर से आगामी वित्तीय वर्ष का बजट बनाना चाहिए। वेतन संबंधी बजट अत्याधिक नहीं होना चाहिए। वेतन वितरण में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कर्मचारी नियमित है या दैनिक वेतनभोगी है। बजट निर्माण करते समय वित्त निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर अनुपूरक बजट की मांग कर सकते हैं।

स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक गेम्स गैजेट्स से बच्चों को दूर रखने का एक शानदार तरीका

बच्चों की तर्कशक्ति, एकाग्रता बढ़ाने सांप सीढ़ी लूडो, शतरंज, फजल जैसे गेम्स से जोड़ रहे टीचर्स

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के स्कूलों, आंगनबाड़ियों, बालवाड़ियों में नर्सरी से लेकर प्राथमिक कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों को पारंपरिक खेल से जोड़ा जा रहा है। इसमें सांप सीढ़ी, लूडो, शतरंज, फजल जैसे गेम्स शामिल हैं, जो तर्कशक्ति, एकाग्रता व धैर्य, रचनात्मकता विकसित करने में मददगार साबित हो रहा है। अमलीडीह प्राथमिक शाला के प्राचार्य आनंद मसीह ने बताया कि प्राथमिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में खेल-कूद भी आवश्यक है। इसके मद्देनजर स्कूल में बच्चों को पारंपरिक व तर्कशील खेलों से जोड़ा जा रहा है। इसमें सांप सीढ़ी, लूडो और शतरंज जैसे पारंपरिक खेल शामिल हैं। इससे स्कूली बच्चों में रचनात्मकता और कल्पनाशीलता को कई तरह से बढ़ावा मिल रहा है। ये खेल बच्चों को रणनीतिक रूप से सोचने और समस्याओं को हल करने के लिए प्रेरित करते हैं। कल्पना और कहानी बच्चे अक्सर खेल के दौरान अपनी कहानियां और परिदृश्य बनाते हैं, जिससे उनकी कल्पनाशक्ति बढ़ती है। सामाजिक कौशल इन खेलों को खेलने से बच्चे दूसरों के साथ बातचीत करना, नियमों का पालन करना, भावनात्मक विकास, हार-जीत को स्वीकार करना और धैर्य रखना सीख रहे हैं। यह सच है कि स्कूल, परिवार और शिक्षक लूडो और सांप सीढ़ी जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन खेलों से बच्चों में सामाजिक मेलजोल, रणनीति बनाने की क्षमता और संख्यात्मक कौशल विकसित होते हैं।

मोबाइल गेम्स गैजेट्स एडिक्शन से बचाने में सहायक

पारंपरिक खेल आज के स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक खेल, गैजेट्स से बच्चों को दूर रखने और परिवार के साथ समय बिताने का एक शानदार तरीका भी हैं। बच्चों के पैरेंट्स, टीचर्स सभी इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि जितने भी मोबाइल व दूसरे इलेक्ट्रॉनिक्स गेम्स वाले गैजेट्स हैं, वे बच्चों में रचनात्मकता को विकास तो कर रहें हैं, पर उनके कई तरह के बच्चों के मन- मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है, जबकि सांप सीढ़ी, लूडो, शतरंज, फजल जैसे गेम्स शारीरिक व मानसिक हर प्रकार से लाभकारी हैं।

खेल-खेल में शिक्षा भी

बालवाड़ी स्कूल भाठागांव की प्रभारी शिक्षिका आरती ठाकुर ने बताया कि बालवाड़ी केंद्र में बच्चों के मानसिक, शारीरिक, व्यावहारिक विकास के लिए म्यूजिकल केकटस, पजल्स गेम, वाटर गेम, डॉल्स आदि खिलौनों के साथ खेल-खेल में गिनती, अक्षर को पहचानने, लिखने, बोलने, ड्राइंग से चित्रकारी करने, बालेकर व डांस करके कविता पढ़ने सिखाया रहा है। इसके साथ ही प्रार्थना, देशभक्ति गीतों के माध्यम से व्यावहारिक विकास किया जा रहा है।

आराधना

सद्गुरु की प्राप्ति ही मानव जीवन के लिए परम लक्ष्य

रायपुर। शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला में जारी प्रवचन श्रृंखला को गति देते हुए आश्रम के प्रभारी डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ ने बताया कि धर्मात्मा पत्नी-पति का उद्धार कर देती है। शिवपुराण के महत्व को प्रकाशित करते हुए कहा कि चंचुला ने सद्गुरु के आश्रय में उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए अपने पापों का प्रायश्चित किया था। शिव की पूजा और उपासना करके अपने जीवन को शुद्ध बना लिया। वास्तव में सद्गुरु की प्राप्ति ही मानव जीवन का परम लक्ष्य है। जब तक जीव को सद्गुरु की प्राप्ति नहीं होती है, तब तक जीवन का लक्ष्य पता नहीं चलता है। भटकते हुए जीवन के बहुमूल्य समय को बर्बाद कर लेते हैं। महाराज से कथा श्रवण के लिए सैकड़ों श्रोता परिवार के साथ रोज आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं।

चंचुला ने पार्वती से पूछा-मेरा पति

चंचुला ने भी सद्गुरु को प्राप्त करके अपने जीवन में आश्चर्यजनक परिवर्तन प्राप्त किया था। उनके बताए मार्ग पर चलने से शिवजी की कृपा, शिव पुराण के श्रवण से प्राप्त की। भगवान शिव से संसार में माता पार्वती की सहचरी बनने का भी सौभाग्य प्राप्त हो गया। एक दिन प्रसंग के तौर पर चंचुला ने पार्वती से प्रार्थना की और कहा कि मेरा पति किस गति को प्राप्त हुआ है, कृपा करके मेरे पति के उद्धार का उपाय कीजिए। चंचुला की प्रार्थना को स्वीकार करके भगवती पार्वती ने बताया कि तुम्हारा पति इस समय प्रेत रूप में विन्ध्यपर्वत में निवास कर रहा है। उसके कुकर्मों की गणना नहीं की जा सकती है।

सिटी लाइव

किक बॉक्सिग कॉम्पिटिशन में 33 स्टेट के खिलाड़ी करेंगे शिरकत

आज होगा खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

रायपुर। वाको इंडिया किक बॉक्सिग फेडरेशन के अगवानी में किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा राष्ट्रीय किक बॉक्सिग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। सीनियर महिला-पुरुष वर्ग में यह आयोजन 16 से 20 जुलाई तक किया गया है। इसमें देशभर के 33 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से भी 1200 खिलाड़ी एवं 300 अधिकारियों सहित 1500 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल और प्रदेश अध्यक्ष छगन लाल मुदडा ने बताया कि वाको इंडिया किक बॉक्सिम फेडरेशन खेल एवं युवा मंत्रालय भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था है। इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन नवंबर में अबुधाबी में आयोजित वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष मुंदडा ने बताया कि राज्य में 2006 से किक बॉक्सिंग खेल संचालित है।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को राज्य शासन ने गत राज्य खेल अलंकरण में शहीद कौशल यादव सहित खेल गौरव, खेल अंकुर, खेल शिखर सम्मान से नवाजा है। राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आयोजन का विधिवत आगाज गुरुवार को किया जाएगा। इस कड़ी में पहले दिन वेट एवं मेडिकल टेस्ट होगा। मुख्य अतिथि के रूप में संगठन मंत्री पवन साय, खेल मंत्री टंकराम वर्मा अध्यक्षता करेंगे। बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में होने वाले इस आयोजन के उद्घाटन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, विधायक राजेश मूणत, हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ रहेंगे।

सनातन धर्मानुरागी संत-महंत ही नहीं, शंकराचार्य भी चार महीने एक जगह रहते हुए करते हैं भक्ति

नदियों और नालों को लांघने की मनाही स्वाध्याय करने संत-महंत कर रहे चातुर्मास

रायपुर। राजधानी में इन दिनों सभी धार्मिक केन्द्रों में धर्म गुरुओं का सानिध्य धर्मानुरागियों को मिल रहा है। इसके चलते जैन दादाबाड़ी में ही नहीं, बल्कि अलग-अलग प्राचीन मठों और शंकराचार्य आश्रमों में भी धर्म की चर्चा का हिस्सा बनने के लिए श्रद्धालुओं के साथ ही शिष्यों को भी धर्म शास्त्रों का अध्ययन करने का प्रावधान सनातन धर्म में बताया गया है। यही वजह है कि गृहस्थ जीवन जीने वाले लोग भी चार माह तक मांगलिक आयोजन करने से बचते हुए धर्म शास्त्रों का पाठ और पूजा-अर्चना में ही समय बिताते हैं। यही कारण है कि ज्यादातर तीर्थ स्थलों में नित्य धर्म आराधना का विधान किया जाता है। इस नित्य कर्म का हिस्सा बनने के लिए धर्मानुरागी ही नहीं, बल्कि गुरु दीक्षा लेने वाले भी परिवार के साथ पहुंचने लगे हैं।

> 'चातुर्मास की परंपरा को केवल जैन मुनियों एवं साध्वियों द्वारा ही नहीं निभाया जाता है, बल्कि इस विधान का पालन सनातन धर्म की अलख जगाने वाले संत-महंत और शंकराचार्य भी करते हैं। जैसे ही चातुर्मास शुरू होता है, सभी धर्म गुरुओं द्वारा नदियों और नालों को लांघने की मनाही और एक ही जगह रहते हुए धर्म का पालन और स्वाध्याय का विधान करते हुए एक समय फलाहार का भी नियम पालन किया जा रहा है।'

सनातन व्यवस्था में तय प्रावधानों का पालन

दूधाधारी मठ के प्रमुख राजेश्री महंत रामसुन्दर दास जी महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में संतों और महंतों ही नहीं, शंकराचार्य भी सनातन व्यवस्था में तय प्रावधानों का पालन चार महीने करते हैं। इस बीच विचरण करते हुए नदियों और नालों को पार करते हुए आने-जाने की मनाही है। इसे देखते हुए मठ में रहते हुए धर्म पालन और स्वाध्याय का क्रम चल रहा है। दूसरे राज्यों से आए संत-महंत भी इस नियम का पालन विधि-विधान से करते हुए लोगों को धर्म शास्त्रों में निहित प्रसंगों की महत्ता को बताने का भी दायित्व निभा रहे हैं।

शास्त्रों से श्रद्धालुओं को कर रहे कृतार्थ

गोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज आश्रम सुदर्शन संस्थानम से प्राप्त जानकारी के तहत शंकराचार्य इस साल पुरी में चातुर्मास कर रहे हैं। जहां नित्य पूजा, सत्कर्म और स्वाध्याय के साथ ही सनातन धर्म शास्त्रों के प्रसंगों से श्रद्धालुओं को कृतार्थ कर रहे हैं। साथ ही मानव समाज को सही दिशा और सही कर्म करते हुए धर्म साधना की महत्ता को भी बताते हैं। हर दिन शाम को सूर्यास्त से पहले ही फलाहार का सेवन कर व्रत नियम का पालन करते हुए धर्म की अलख जगा रहे हैं। इसका हिस्सा बनने के लिए आश्रम में धर्मानुरागी भी रोज पहुंचते हैं।

चार महीने संतों के विचरण पर पाबंदी

दंडी स्वामी डॉ. इंद्रभवानंद तीर्थ महाराज का इस साल पहला चातुर्मास है। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य आश्रम में नित्य पूजा-अर्चना के बाद भगवान शिव का अभिषेक और पार्थिव पूजन किया जाता है। उन्होंने आगे बताया कि संन्यासी परंपरा में चातुर्मास का विधान है। आदि शंकराचार्य ने दशनाम महात्माओं के लिए इसका प्रावधान किया है। ऐसे संत-महंतों और शंकराचार्यों को भी नदियों और नालों को लांघने और यहां-वहां विचरण करने की पाबंदी है। इस दौरान स्वास्थ्य करने और धर्म शास्त्रों की शिक्षा से लोगों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इसमें आसपास के लोग ही नहीं, दूरदराज से आने वाले गुरुजन भी इसका पालन करते हैं। यह मेरा पहला चातुर्मास होने की वजह से चार महीने का चातुर्मास करने का नियम है, इसका पालन करना अनिवार्य है। वेदांत स्वाध्याय किया जाता है। इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक और पार्थिव पूजन किया जाता है।

तप और आराधना के लिए दिव्य सत्संग मुनियों ने बताई गिरिराज की महत्ता

रायपुर। श्री विमलनाथ मंदिर जैन ट्रस्ट एवं भावलास चातुर्मास समिति के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां शत्रुंजय गिरिराज की 500वीं ध्वजा के महिमा को समर्पित तप आराधना का दिव्य आयोजन प्रारंभ हुआ, जिसमें बुधवार को प्रथम पचकान दिवस अत्यंत श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर 100 तपस्वियों ने प्रथम पचकान का संकल्प लेकर तप की शुरुआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ संभव लुनिया खैरागढ़ द्वारा मधुर संगीत और भक्ति रस में डूबे हुए स्तवनों से किया गया। उन्होंने सिद्धाचल, विमलाचल और शत्रुंजय गिरिराज की महिमा का गुणगान करते हुए भक्तों को भावविभोर किया। विमलाचलगिरि राज मने प्यारो लागे रेजैसे भजनों ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया।

तपस्वी सामूहिक चैत्यवंदन में हुए शामिल

इस प्रेरणादायक प्रसंग से सभी तपस्वियों को तप की शक्ति और शत्रुंजय की कृपा का वास्तविक बोध हुआ। ऐसे में सभी तपस्वियों ने सामूहिक चैत्यवंदन में भाग लिया, जो रोजाना सुबह 6 बजे से 6:25 बजे तक गुरु भगवन्तों के निर्देशन में सम्पन्न किया गया। आगामी दिनों में नौ प्रकार के तपः तेले, व्यासना, बेला, ब्यासना जैसे आराधना किया जाएगा। 29 दिनों तक चलने वाले इस विशिष्ट आयोजन में प्रतिदिन प्रवचन, तप क्रियाएं साध्वी भगवंत और गुरुजन के मार्गदर्शन में सम्पन्न होंगी।

29 दिनों तक प्रवचन, तप क्रियाएं

भक्तिमय कार्यक्रम के दौरान तपस्वियों का भव्य सम्मान किया गया। साथ ही, भगवान की प्रतिमा के समक्ष अक्षत से मौन संकल्प के साथ फेरी दी गई। इस दौरान 5 की श्रेणी में सभी तपस्वियों ने धर्म की विधिपूर्वक आराधना की। गुरुदेव तीर्थ प्रेम विजय महाराज ने शत्रुंजय गिरिराज की अद्भुत महिमा का विस्तृत विवेचन किया। उन्होंने एक सच्ची घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि एक रोगग्रस्त व्यक्ति जिसने शत्रुंजय की यात्रा को अपनी अंतिम इच्छा माना था, वह न केवल गिरिराज की तलेटी तक पहुंचा, बल्कि दादा आदिनाथ के दर्शन के पश्चात चमत्कारिक रूप से स्वस्थ हो गया और बाद में उसी ने मुनि दीक्षा लेकर 400 चतुर्विहार उपवास सहित अनेक यात्राएं पूर्ण कीं। आज वे आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हुए।

कराते चैम्पियनशिप से पहले खिलाड़ियों का होगा तकनीकी सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ कराते संघ द्वारा 33वें नेशनल कराते चैम्पियनशिप का आयोजन अग्रसेन धाम लाभाड़ी में 17 अगस्त से 19 अगस्त के बीच होगा। इसमें सीनियर, जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग के लगभग 800 खिलाड़ी- अधिकारी भाग लेंगे। संघ के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में बताया है कि इस नेशनल चैम्पियनशिप के पहले दिन 17 अगस्त को खिलाड़ियों का पंजीयन होगा। इसके बाद रेफरी कौंशिल द्वारा टेक्निकल सेमीनार एवं रेफरी परीक्षा होगी। 18 अगस्त को सुबह 10 बजे इसका आगाज होगा। इसके बाद सब जूनियर वर्ग के बीच स्पर्धा होगी, जो 19 अगस्त को शाम तक चलेगी। इस बीच हर शाम को पुरस्कार वितरण किया जाएगा। चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए आवास एवं भोजन व्यवस्था भी अग्रसेन धाम में की जाएगी।

आवास एवं वाहन की सुविधा भी देंगे

देशभर के विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों के लिए रेलवे स्टेशन पर छत्तीसगढ़ कराते संघ द्वारा वाहन व्यवस्था की जाएगी। अग्रसेन धाम पहुंचने पर तिलक लगाकर स्वागत करेंगे। इस आयोजन दौरान खिलाड़ियों के लिए शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। नेशनल चैम्पियनशिप की तैयारी के लिए संघ द्वारा बैठक करके विभिन्न समितियों का गठन करते हुए पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। ऑल इंडिया कराते डू फेडरेशन के उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ कराते संघ के सचिव अजय साहू ने बताया है कि चैम्पियनशिप को सफल बनाने के लिए लगातार तैयारियों का सिलसिला चल रहा है।

धर्म-मोक्ष के लिए करें प्रयास, अर्थ और काम भी भाग्य के अधीन

रायपुर। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष यह सभी मनुष्य जीवन के चार पुरुषार्थ हैं। इनमें दो पुरुषार्थ अर्थ और काम मनुष्य के भाग्य का अधीन है। इसे परमात्मा ने मनुष्य के भाग्य में लिखा है कहां और कैसे काम करना है। कैसे उसे धन मिलेगा। यह परमात्मा ने मनुष्य के भाग्य में लिखा है। जो भाग्य में लिखा है, उसके लिए प्रयास कम करेंगे तो भी भाग्य में लिखा होगा तो मिलेगा। धर्म और मोक्ष यह किसी के भाग्य में नहीं लिखा है। इसके लिए प्रयास करना पड़ता है। भगवान की जिन पर कृपा हो, उन्हें धर्म का काम करने और धर्म की ध्वजा फहराने के साथ ही धर्म स्थलों पर सेवा देने का पुण्य फल प्राप्त होता है। उक्त बातें संत शंभू शरण लाटा महाराज ने मैक कॉलेज के ऑडिटोरियम में श्री रामकथा की श्रृंखला में श्रोताओं के बीच कही।

शिवकथा में महाराज का स्वागत

रायपुरा के देवनगरी क्षेत्र में शिव मंदिर के पास चल रहे श्री शिव महापुराण कथा का बुधवार को विश्राम दिवस हुआ। इस मौके पर सत्य सनातन सेवा समिति के सदस्य राजेश शुक्ला और साथियों द्वारा आचार्य का सम्मान किया गया। मुख्य यजमान राजेन्द्र पांडे ने कहा कि छोटी उम्र में कथा को आसानी और सरल ढंग से भक्तों के बीच वर्णन करना सौभाग्य की बात है। इस दौरान राजेश्वरी पांडे, योगेश शुक्ला, सीमा तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

भगवान राम ने विनम्रता का दिया संदेश

महाराज ने राम विवाह और धनुष यज्ञ प्रसंग के साथ ही परशुराम संवाद, राजा दशरथ को शादी का आमंत्रण सहित कई कथाओं का वर्णन किया। भगवान राम ने परशुराम के क्रोध को शांत करने के लिए विनम्रता का परिचय दिया। अपनी गलती को स्वीकार करने से कोई छोटा नहीं होता, बल्कि उनका कद और बड़ा हो जाता है। भगवान राम और सीता के विवाह का उत्साह कथा स्थल पर झूमते हुए भक्तों में देखने को मिला। रामकथा प्रचार समिति के प्रचार -प्रसार अधिकारी कर्तव्य अग्रवाल ने बताया कि 21 जुलाई को नानी बाई का मायरा, 22 और 23 जुलाई को बाबा रामदेव का जम्मा का आयोजन होगा।

हेल्थ टिप्स

बारिश का मौसम आते ही आंखों में बढ़ जाता है इंफेक्शन का खतरा, ऐसे करें बचाव

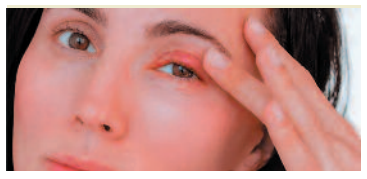

बरसात के मौसम में आंखों में इंफेक्शन हो ही जाता है। कई बार यह काफी दर्दनाक हो जाता है। ऐसे में आप आंखों को इंफेक्शन से बचाने के लिए डॉक्टर की बताई बातों पर अमल जरूर करें। बारिश आते ही, चारों तरफ खुशनुमा माहौल हो जाता है, लेकिन साथ ही आंखों से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। बारिश का गंदा पानी, ठहरा हुआ पानी या बाढ़ का पानी बैक्टीरिया वायरस और फंगस जैसे हानिकारक सूक्ष्मजीवों से भरा हो सकता है, जो हमारी आंखों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा करते हैं। डॉ. पुरेंद्र भसीन, एमबीबीएस, एमएस, फाउंडर और डायरेक्टर रतन ज्योति नेत्रालय, ग्वालियर के मुताबिक दूषित पानी जब आंखों के संपर्क में आता है, खासकर छींटे पड़ना, इसके बाद हम आंखों को रगड़ते हैं तो कंजंक्टिवाइटिस , केराटाइटिस या यहां तक कि कॉर्नियल अल्सर जैसे गंभीर संक्रमणों का कारण बन सकता है। जो लोग कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, वो खास करके इसके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, क्योंकि लेंस हानिकारक सूक्ष्मजीवों को आंख की सतह पर फंसा सकते हैं। आइए जानते हैं बरसात के मौसम में आंखों को इंफेक्शन से कैसे बचाएं।

बरसात में आंखों को इंफेक्शन से बचाने के लिए क्या करें?

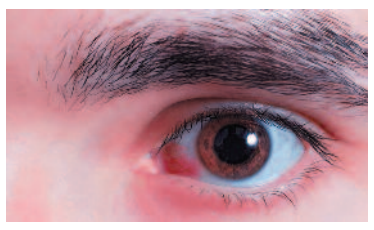

आंखों को छूने से पहले हमेशा हाथों को अच्छी तरह से धोएं। गंदे हाथों से आंखों को छूना संक्रमण का सबसे बड़ा कारण है। इसके अलावा कोशिश करें कि बारिश का पानी सीधे आपकी आंखों में न जाएं। अगर ऐसा हो जाता है, तो साफ पानी से आंखों को साफ करें। इस मौसम में स्विमिंग करने से बचें।

मान लो आपके आंखों में कुछ चला गया है, तो आप रगड़ने या खुजली करने से बचें, इससे संक्रमण फैल सकता है। अपने तौलिए, और मेकअप का सामान किसी से शेयर न करें। इस मौसम में कभी भी आई मेकअप के साथ ना सोएं। अगर कॉन्टैक्ट लेंस पहनती हैं, तो बारिश के मौसम में ज्यादा सावधानी बरतें। लेंस को पहनने और उतारने से पहले हाथों की अच्छी तरह से सफाई करें। हो सके तो इस मौसम में चश्मा से काम चलाएं। डॉक्टर भसीन के मुताबिक कभी-कभी हल्की जलन या सूखापन प्रिजर्वेटिव फ्री लुब्रिकेटिंग आई ड्रॉप से ठीक हो सकता है, लेकिन इसमें सावधानी बरतना जरूरी है।

लाल या खुजली वाली आंखें वायरल या बैक्टीरियल कंजंक्टिवाइटिस, एलर्जी या अधिक गंभीर स्थितियों के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। गुलाब जल या बिना डॉक्टर की सलाह के आई ड्रॉप का उपयोग स्थिति को बदतर बना सकता है। अगर आंखों से जुड़ी कोई भी लक्षण एक दिन से अधिक समय तक बने रहते हैं, या आंखों से पानी, डिस्चार्ज या रौशनी के प्रति संवेदनशीलता जैसी बनी रहे ,तो तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लेना सबसे अच्छा है।

मानसून में आंखों की साफ-सफाई और

देखभाल पर विशेष ध्यान देना जरूरी हो जाता है, क्योंकि ये आई सिंड्रोम और वायरल इंफेक्शन जैसी कई परेशानियों का कारण बन सकता है। नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष पटेल बताते हैं कि, मानसून के दौरान बढ़ी हुई नमी और गंदगी से आंखों में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। यदि समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो ये संक्रमण आपकी दृष्टि को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए हम जानेंगे कि कैसे आप मानसून में अपनी आंखों को बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचा सकते हैं। आंखों को बार-बार न छुएं।आंखों को बिना धोए हाथों से बार-बार छूना संक्रमण को न्योता देने जैसा है। बाहर से आने के बाद हाथ धोए बिना आंखें न छुएं। बच्चों को भी समझाएं कि आंखों में हाथ न लगाएं। अगर आंख में खुजली हो रही है तो साफ रूमाल या टिशू से हल्के हाथ से पोंछें। साफ तौलिया और रुमाल का ही इस्तेमाल करें। मानसून में गीले तौलिए या साझा किए गए रुमाल से संक्रमण तेजी से फैलता है। हर व्यक्ति को अपना अलग तौलिया/रुमाल इस्तेमाल करना चाहिए।रोजाना तौलिया धोकर सुखाएं। गंदे और नम कपड़े बैक्टीरिया के लिए सबसे अच्छा माहौल बनाते हैं। आंखों को दिन में दो बार साफ पानी से धोएं। मानसून में कॉंटैक्ट लेंस पहनने से पहले अच्छे से हाथ धोएं। पुराने या बिना सॉल्यूशन वाले लेंस का इस्तेमाल न करें। संक्रमण होने पर तुरंत लेंस पहनना बंद करें और डॉक्टर से मिलें। मानसून में थोड़ी-सी लापरवाही आंखों की बड़ी समस्या बन सकती है।

सहनशीलता की सीमा घट रही लोगों में, हालात चिंताजनक

रोजाना बढ़ता शोर बन रहा मानसिक तनाव-क्रोध और घबराहट की वजह, हर 5 वां व्यक्ति हो रहा प्रभावित

मिसोफोनिया एक श्रवण प्रतिक्रिया विकार है, जिसमें व्यक्ति को कुछ विशेष ध्वनियों के प्रति तीव्र नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। ये ध्वनियां आमतौर पर किसी के चबाने, सांस लेने, पेन से लिखने या यहां तक कि घड़ी की टिक-टिक जैसी रोजमर्रा की आवाजें हो सकती हैं। इन ध्वनियों से प्रभावित व्यक्ति में गुस्सा, घृणा, बेचैनी या मानसिक अशांति जैसी प्रतिक्रियाएं देखी जाती हैं।ध्वनि से पैदा होने वाली आवाजें मानसिक तनाव, क्रोध और घबराहट का कारण बन सकती है। ऐसी ही एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है मिसोफोनिया, जो अब चिकित्सा विज्ञान के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विकार जीवनभर पांच में से एक व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है, लेकिन इसकी पहचान और इलाज को लेकर जागरूकता बेहद सीमित है।

मिसोफोनिया एक श्रवण प्रतिक्रिया विकार है, जिसमें व्यक्ति को कुछ विशेष ध्वनियों के प्रति तीव्र नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है। ये ध्वनियां आमतौर पर किसी के चबाने, सांस लेने, पेन से लिखने या यहां तक कि घड़ी की टिक-टिक जैसी रोजमर्रा की आवाजें हो सकती हैं। इन ध्वनियों से प्रभावित व्यक्ति में गुस्सा, घृणा, बेचैनी या मानसिक अशांति जैसी प्रतिक्रियाएं देखी जाती हैं। इस विकार को सबसे पहले वर्ष 2000 में डॉक्टर पावेल जास्त्रेबॉफ ने परिभाषित किया था, हालांकि 20वीं सदी की कई मनोवैज्ञानिक रिपोर्टों में इसका अप्रत्यक्ष उल्लेख मिलता रहा है। यूनिवर्सिटी का न्यूकेस्टल के एक अध्ययन में पाया गया कि मिसोफोनिया वाले लोगों के मस्तिष्क में ऑडिटरी और इमोशनल प्रोसेसिंग सेंटर के बीच अधिक संपर्क होता है।

मिसोफोनिया के लक्षण

विशेषज्ञ बताते हैं कि मिसोफोनिया के लक्षणों की तीव्रता व्यक्ति की ध्वनियों पर प्रतिक्रिया के प्रकार से निर्धारित होती है।भावनात्मक प्रतिक्रिया में चिड़चिड़ापन,गुस्सा और घबराहट सामने आती है। शारीरिक प्रतिक्रिया के दौरान दिल की धड़कन तेज होना और मांसपेशियों में तनाव पैदा होता है। व्यवहारिक प्रतिक्रिया में देखा गया है कि पीड़ित उस स्थान से भाग भाग निकलता है या फिर आंखों पर हाथ रख लेता है। यहां तक कि कभी-कभी क्रोध से भरी तीव्र प्रतिक्रिया भी सामने आती है।

ऐसे होती है समस्या

वैज्ञानिक रूप से अभी तक इसकी कोई स्पष्ट जैविक वजह तय नहीं की गई है, लेकिन न्यूरोलॉजिकल रिसर्च यह संकेत देते हैं कि ब्रेन में ध्वनि को प्रोसेस करने वाले हिस्से (जैसे ऑडिटरी कॉर्टेक्स और एमिगडाला) के बीच असामान्य जुड़ाव इसकी एक वजह हो सकता है। या नी मस्तिष्क कुछ सामान्य ध्वनियों को खतरे या हमले के संकेत के रूप में प्रोसेस करता है, जिससे फाइट या फ्लाइट प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है।

व्रत के स्नैक्स, दस मिनट में हो जाएंगे तैयार

सावन व्रत में अन्न नहीं खाया जाता है और फलाहार व सात्विक भोजन का सेवन होता है। व्रत के दौरान हल्की-हल्की भूख लगना भी सामान्य है। ऐसे में कुछ ऐसी फलाहारी रेसिपी बनाएं जो झटपट तैयार हो जाती हों और जिसे बनाने में बहुत अधिक सामग्री की भी जरूरत न हो। फलाहारी व्रत के स्नैक्स में कई विकल्प हैं जो पौष्टिक, झटपट वाले और कम सामग्री में तैयार हो जाते हैं।

रोस्टेड मखाना

व्रत के स्नैक्स में सबसे आसानी से रोस्टेड मखाना बना सकते हैं। इसके लिए घी में मखाने को सुनहरा होने तक भूनें। जब वह क्रिस्पी हो जाए तो उसमें सेंधा नमक मिला सकते हैं। सिर्फ मखाने और सेंधा नमक को मिलाकर आप फलाहारी कुरकुरी नमकीन बना सकते हैं। जिसे एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करके आप हफ्तेभर तक खा सकते हैं। ये जल्दी बन जाने वाली रेसिपी है और भूख को नियंत्रित रखने के साथ ही एनर्जी बढ़ाती है।

फलाहारी पनीर टिक्का

पनीर में प्रोटीन होता है, कैल्शियम और विटामिन बी 12 जैसे पोषक तत्व होते हैं। उपवास के दौरान पनीर का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए पनीर को मोटे टुकड़ों में काटकर सेंधा नमक मिलाएं। फिर तवे पर घी डालकर सेंक लें। पनीर बाहर से क्रिस्पी और अंदर से हल्के सॉफ्ट बन जाएंगे। भुना पिसा जीरा, अमचूर पाउडर या व्रत में आप जिन मसालों का सेवन करते हैं, ऊपर से सप्रिंकलर करके व्रत में खा सकते हैं। इसे दो तीन दिन स्टोर करने के लिए पनीर को शाँटे करके एयरटाइट डिब्बे में रखें।

कुट्टू चिप्स

कुट्टू की पूड़ी और परांठे तो खाए होंगे लेकिन कुट्टू चिप्स भी काफी स्वादिष्ट लगता है। कूट्टू के आटे में थोड़ा पानी और नमक मिलाकर सख्त आता गूंथ दें। छोटी-छोटी पूरियां बेलें, कांटे से उसमें छेद करके धीमी आंच पर तलें। ये चिप्स जैसे बन जाएंगे , जिसे दो तीन दिन स्टोर कर सकते हैं।

केला नारियल रोल्स

कुछ मीठा खाने की क्रेविंग हो तो केले से हेल्दी स्नैक्स बना सकते हैं। इसके लिए पके हुए केले को शहर में डालकर मैश करें। इसे नारियल के बुरादे में रोल करें और तैयार हैं हेल्दी रोल्स, जिन्हें आप तीन से चार दिन स्टोर कर सकते हैं।

फलाहार से होने वाले लाभ

फलाहार में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करती है। फल और अन्य फलाहारी खाद्य पदार्थों में कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। फलाहार में विटामिन, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक हैं। फलाहार में प्राकृतिक शर्करा होती है जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करती है।

सावन में हर दिन दीपक जलाने से मिलेंगे अद्भुत लाभ, जानें दिशा और वास्तु उपाय

घर में रोजाना दीपक जलाने से वास्तु दोष समाप्त होते हैं और धन, समृद्धि व शांति का वास होता है। साथ ही यह देवी-देवताओं की कृपा पाने का भी सरल माध्यम है।

सावन में दीपक जलाने का महत्व

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र दोनों ही सावन के दिनों में दीपक जलाने को अत्यंत फलदायी मानते हैं। कहा जाता है कि घर में रोजाना दीपक जलाने से वास्तु दोष समाप्त होते हैं और धन, समृद्धि व शांति का वास होता है। साथ ही यह देवी-देवताओं की कृपा पाने का भी सरल माध्यम है। दीपक जलाने से भगवान शिव और माता पार्वती के साथ पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पांच मुखी दीपक जलाएं

ज्योतिष विशेषज्ञों की मानें तो सावन के महीने में रोजाना संध्या काल में भगवान शिव के समक्ष पांच मुख वाला दीपक जलाना अत्यंत शुभ होता है। यदि प्रतिदिन यह संभव न हो, तो कम से कम चारों सोमवारों की शाम को यह उपाय अवश्य करें। इससे न सिर्फ आर्थिक समस्याएं दूर होंगी, बल्कि करियर और व्यवसाय में भी वृद्धि देखने को मिलेगी।

ईशान कोण में दीपक जलाएं

वास्तु शास्त्र में उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) को दिव्य शक्तियों का स्थान माना गया है। सावन में इस दिशा में रोजाना दीपक जलाने से भगवान शिव सहित सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है और पितृदोष भी शांत होता है।

मुख्य द्वार पर चौमुखी दीपक

सावन में घर के मुख्य द्वार पर सुबह और शाम मिट्टी का चौमुखी दीपक जलाना अत्यंत लाभकारी होता है।

बच्चों का पढ़ाई पर फोकस नहीं हो रहे हैं चिड़चिड़े तो ढूंढे कारण

क्या आप जानते हैं कि मोबाइल से दिनभर चिपके रहने की आदत सेहत के लिए गंभीर समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों के मानसिक सेहत पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है। आज के समय में मोबाइल फोन्स और कंप्यूटर हमारे जीवन के अहम हिस्सा बन चुके हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इससे दिनभर चिपके रहते हैं। दुकान पर पेमेंट करने से लेकर ऑनलाइन सर्फिंग तक, हमारे दिन का एक लंबा समय मोबाइल फोन्स के साथ बीतता है। इस छोटे से उपकरण पर हमारी निर्भरता बीते कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है।

पर क्या आप जानते हैं कि मोबाइल से दिनभर चिपके रहने की ये आदत सेहत के लिए गंभीर समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों के मानसिक सेहत पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है।

कोरोना महामारी के बाद से ऑनलाइन पढ़ाई के बहाने मोबाइल फोन बच्चों की दिनचर्या में इस तरह घुसा कि अब इससे पीछा छुड़ाना मुश्किल होता जा रहा है। लिहाजा स्क्रीन टाइम की बढ़ती आदत ने बच्चों के फोकस, पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया

है। अध्ययनों से क्या पता चला?

जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जामा) साइकेट्री जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दिन में 2 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में ध्यान देने की क्षमता 60% तक कम हो जाती है। इतना ही नहीं मोबाइल फोन्स का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों के मूड और व्यवहार में बदलाव का कारण बनता जा रहा है। जिन बच्चों का स्क्रीन टाइम अधिक है उनमें चिड़चिड़ापन, अधीरता जैसी दिक्कतें भी अधिक देखी जा रही हैं।

डिजिटल डिवाइस पर बढ़ती निर्भरता खतरनाक

एम्स द्वारा इसी संबंध में किए गए एक अध्ययन में विशेषज्ञों ने पाया कि भारत में 8 से 14 की आयु वाला हर 3 में से 1 बच्चा डिजिटल डिवाइस पर निर्भर हो चुका है, जो एक तरह की लत है। इसका असर ये है कि इससे उनके लिए किसी एक काम या पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना कठिन हो गया है। मोबाइल की लत से होने वाले नुकसान का दूसरा पहलू ये है कि ये बच्चों की नींद को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन में पाया गया कि रात को स्क्रीन देखने से नींद की गुणवत्ता 45% तक घटती है, जिससे अगली सुबह स्कूल में एकाग्रता पर असर होता है।

क्या है इसके पीछे की वजह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चे के ध्यान और एकाग्रता अवधि पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है, इसके पीछे का साइंस ये है कि स्क्रीन टाइम का बढ़ना बच्चों के संज्ञानात्मक कौशल के विकास को प्रभावित करता है। स्क्रीन वाले उपकरणों के साथ चिपके रहने के चलते बच्चे, अपने दोस्तों-साथियों से कम मिलते हैं जिसके कारण वह वास्तविकता से अलग आभासी दुनिया में ही जीते रहते हैं। इसके अलावा रील्स पर स्क्रॉल करते रहने की आदत ने बच्चों को अस्थिर बना दिया है, लिहाजा एक काम पर वे बहुत देर तक फोकस नहीं रह पाते हैं।

बच्चों को बबल बाथ देने जा रहे हैं तो हो जाएं सावधान

एक मजेदार तरीका

बबल बाथ एक आरामदायक और सुखद स्नान विधि है, जिसमें गुनगुने पानी से भरे टब में विशेष बबल बाथ लिक्विड या साबुन मिलाया जाता है। इससे पानी में झाग या बुलबुले बनते हैं।

वहीं कुछ सुगंधित एसेंशियल ऑयल्स, फूलों की पंखुड़ियां और बेबी डक जैसे खिलौनों को रख इसे बच्चों के लिए आकर्षक बनाया जाता है। लेकिन जानकार कहते हैं, कि इसके कई नुकसान भी हैं।

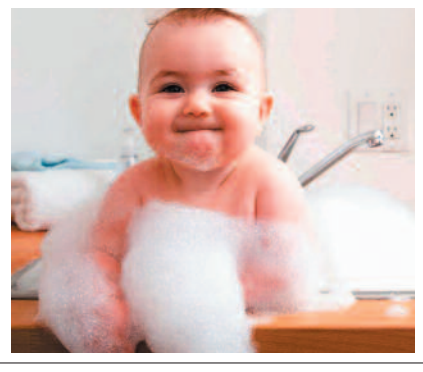

संवेदनशील त्वचा

छोटे बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है, इसलिए उनकी स्किन टाइप को समझना बेहद जरूरी है।

यदि उनकी त्वचा के अनुरूप उत्पादों का चयन न किया जाए तो बबल बाथ के बाद उन्हें जलन, खुजली, सूजन और लाल चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर ऐसे प्रोडक्ट, जिनमें आर्टिफिशियल खुशबू, रंग या केमिकल होते हैं, वे बच्चों की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

आंखों का संक्रमण

बबल बाथ के दौरान बच्चे पानी में खूब मस्ती करते हैं। ऐसे में यदि झाग युक्त पानी उनकी आंखों में चला जाए तो इससे उन्हें आंख में जलन, लालिमा, खुजली और अन्य परेशानियां हो सकती हैं, जो उनके मन में नहाने के प्रति डर पैदा कर सकती हैं। इसलिए बच्चों को नहलाने के लिए हमेशा सुरक्षित और टियर-फ्री उत्पादों का चयन किया जाना चाहिए। बबल बाथ के बाद यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) का खतरा विशेष रूप से बच्चियों में बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी यूरीनरी ट्रैक्ट अधिक संवेदनशील होती है। केमिकल युक्त झागदार पानी यदि निजी अंगों के संपर्क में आता है तो इससे संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

थिएटर के बाद अब 'सुपरमैन' देखें घर बैठे, ओटीटी पर होगी रिलीज

जेम्स गन की सुपरहीरो फिल्म 'सुपरमैन' के ओटीटी रिलीज को लेकर अपडेट सामने आ गया है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। 11 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हॉलीवुड सुपरहीरो फिल्म 'सुपरमैन' ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक अच्छा खासा परफॉर्म किया है। फिल्म न सिर्फ भारत में अच्छा प्रदर्शन कर रही है, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके रिलीज का भी फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। डेविड कोरेनस्वेट की दमदार एक्टिंग और शानदार ग्राफिक्स के चलते फिल्म की दुनियाभर में काफी चर्चा हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये फिल्म एचबीओ मैक्स पर स्ट्रीम की जाएगी। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी इसकी ओटीटी रिलीज डेट की ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है। लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये फिल्म अगस्त 2025 के अंत तक ओटीटी पर दस्तक दे सकती है, क्योंकि वार्नर ब्रदर्स की पिछली फिल्मों को थिएटर रिलीज के 6 हफ्ते बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया है। सुपरमैन ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी मजबूत पकड़ बनाई है। अब तक फिल्म करीब 28.25 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। पहले दिन फिल्म ने अलग-अलग भाषाओं में मिलाकर 7.25 करोड़, दूसरे दिन 9.5 करोड़, तीसरे दिन 9.25 करोड़ और चौथे दिन 2.25 करोड़ की कमाई की। खास बात ये है कि फिल्म को इंग्लिश के अलावा हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी पसंद किया जा रहा है। भारत में इस समय कई बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में चल रही हैं, जिनमें 'सितारे जमीन पर', 'मेट्रो इन दिनों', 'आंखों की गुस्ताखियां' और 'मालिक' जैसी फिल्में शामिल हैं।

टॉलीवुड

हमारे बीच से जा चुकी दिवंगत अभिनेत्री सरोजा की आंखें अब देखेंगी दुनिया

दिग्गज अभिनेत्री बी सरोजा देवी की मृत्यु के बाद उनकी आंखें दान कर दी गईं। 87 वर्षीय अभिनेत्री का निधन 14 जुलाई को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर मनोरंजन जगत में दुख की लहर दौड़ गई। पीएम मोदी और रजनीकांत समेत कई कलाकारों ने उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के पहले अभिनेत्री की आंखें उनकी इच्छा के अनुसार दान कर दी गईं। कई दशकों तक अपने शानदार करियर के लिए जानी जाने वाली सरोजा देवी का बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में उनके आवास पर उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। उनकी आंखें नारायण नेत्रालय को दान कर दी गईं। उन्होंने कुछ साल पहले इच्छा जताई थी कि उनकी आंखें दान कर दी जाएं। नारायण नेत्रालय में मौजूद डॉ. राजकुमार नेत्र बैंक के एक अधिकारी ने बताया कि सरोजा देवी ने कई साल पहले अस्पताल में अपनी आंखें दान करने की इच्छा जताई थी। अधिकारी ने पीटीआई को बताया 'उन्होंने कुछ साल पहले अपनी आंखों के लिए प्रार्थना की थी। एक बार, जब वह जांच के लिए अस्पताल आईं, तो उन्होंने हमारे अध्यक्ष से अपनी आंखें दान करने की इच्छा के बारे में बात की। इसके बाद नेत्रदान के लिए एक कार्ड बनाया गया। उन्हें नेत्रदान के लिए पंजीकरण कराए हुए लगभग पांच साल हो गए।'सरोजा देवी के निधन के बाद, उनके कॉर्निया निकाले गए और उनकी स्थिति बहुत अच्छी पाई गई। अधिकारी ने बताया 'केवल कॉर्निया निकाले गए हैं, दोनों कॉर्निया अच्छी स्थिति में हैं।' इन कॉर्निया का जल्द ही प्रत्यारोपण किया जाएगा, जिससे जरूरतमंद लोगों को देखने का मौका मिलेगा। भारतीय सिनेमा में सरोजा देवी का बड़ा योगदान है। उन्होंने अपने करियर में कई भाषाओं की कई फिल्मों में अभिनय किया और खुद को सिनेमा जगत में एक अहम हस्ती के तौर पर स्थापित किया। हिंदी फिल्मों की बात करें तो प्यार किया तो डरना क्या (1963) में उनके साथ शम्मी कपूर थे। पैग़ाम (1959) से उन्होंने दिलीप कुमार के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके अलावा बेटी बेटे (1964), दूज का चाँद (1964),प्रीत ना जाने रीत (1966),ओपेरा हाउस (1961),हांगकांग (1962),आशा और घराना जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया था।

भोजपुरी

'आग और सुहाग' का जलवा कायम, 3.35 लाख से ज्यादा बार लोगों ने देख डाला

रवि यादव और श्रुति राव की भोजपुरी फिल्म 'आग और सुहाग' यूट्यूब पर हिट हो गई है। फिल्म को बहुत सारे लोगों ने देखा है। संजय पांडेय और अनामिका पांडेय भी फिल्म में हैं। संजय वत्सल ने फिल्म का निर्देशन किया है। भोजपुरी फिल्म 'आग और सुहाग' ने यूट्यूब पर धूम मचा दी है। इस फिल्म ने रिलीज होते ही वायरल होना शुरू कर दिया और अब तक लगभग 3.35 लाख से ज्यादा लोग इसे देख चुके हैं। फिल्म 'आग और सुहाग' में रवि यादव और श्रुति राव मुख्य भूमिका में हैं, जबकि संजय पांडेय, अनामिका पांडेय, जे नीलम ,अनिता सहगल , संतोष पहलवान, आयुषी पॉल, खुशबू यादव, कृष्णा यादव, बंटी तिवारी, डॉली गुप्ता और संजना मिश्रा जैसे कलाकार भी अहम रोल्स में हैं। फिल्म का निर्देशन संजय वत्सल ने किया है, जबकि राकेश चंद्रा ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म का संगीत मधुकर आनंद ने दिया है और इसे जीएफसी म्यूजिक द्वारा रिलीज किया गया है। फिल्म में रवि यादव और संजय पांडेय के अभिनय को दर्शकों ने सराहा है। फिल्म की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह यूट्यूब पर वायरल हो रही है और बड़ी संख्या में लोग इसे देख रहे हैं।

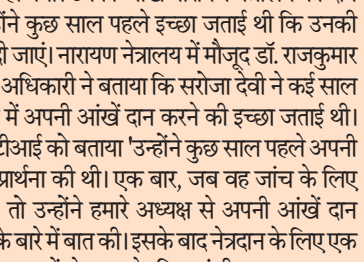

खादी का जादू

रांची की एक कॉलेज स्टूडेंट अंकिता बांका ने फैशन डिज़ाइनर बनने के अपने सपने को सच करने एक अनूठी इंडो-वेस्टर्न ड्रेस डिज़ाइन की है। अंकिता के अलावा शिरीन शाहीन को भी अनूठी डिजाइन के लिए सम्मानित किया। दोनों के डिजाइन की खास बात यह थी कि इसमें खादी का भरपूर इस्तेमाल किया गया था। इस कदम को युवाओं के बीच खादी उत्पादों को और अधिक लोकप्रिय बनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

बिना मेकअप चाहिए ग्लोइंग चेहरा, आजमाएं ये कोल्ड फेशियल ट्रिक

दीपिका पादुकोण हो या प्रियंका चोपड़ा, कई अभिनेत्रियों ने इस आइस थेरेपी को अपनी रूटीन में शामिल कर रखा है, जिसके बारे में वे अपने वीडियो या रील्स के जरिए ट्यूटोरियल दे चुकी हैं। आइए जानते हैं कैसे करें कोल्ड फेशियल और इसके फायदे क्या है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई चाहता है दमकती और निखरी त्वचा। लेकिन हर बार पार्लर जाकर फेशियल करवाना संभव नहीं होता। ऐसे में कोल्ड फेशियल एक बेहद आसान, सस्ता और असरदार विकल्प बनकर उभरा है। कोल्ड फेशियल यानी चेहरे को आइस थेरेपी देना। यह न सिर्फ स्किन को ठंडक पहुंचाता है, बल्कि झुर्रियां, दाग-धब्बे, पफी नेस और ओपन पोर्स को भी कम करता है। इन दिनों कोल्ड फेशियल का चलन बढ़ गया है। दीपिका पादुकोण हो या प्रियंका चोपड़ा, कई अभिनेत्रियों ने इस आइस थेरेपी को अपनी रूटीन में शामिल कर रखा है, जिसके बारे में वे अपने वीडियो या रील्स के जरिए ट्यूटोरियल दे चुकी हैं। आइए जानते हैं कैसे करें कोल्ड फेशियल और इसके फायदे क्या है।

कोल्ड फेशियल क्या है?

कोल्ड फेशियल एक ऐसा नेचुरल स्किन केयर प्रोसेस है जिसमें बर्फ या ठंडे फेस मास्क की मदद से चेहरे पर मसाज की जाती है। यह त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे चेहरा तुरंत तरोताजा और निखरा नजर आता है। इस आसन तरीके से आप बिना किसी महंगे प्रोडक्ट या पार्लर विजिट के भी चमकदार और हेल्दी स्किन पा सकती हैं। बस 10 मिनट की आइस थेरेपी और आपकी स्किन बेदाग, फ्रेश और ग्लोइंग दिखेगी, वो बिना मेकअप के भी। आपके चेहरे की रौनक बनी रहेगी और दिनभर तरोताजा महसूस करेंगी।

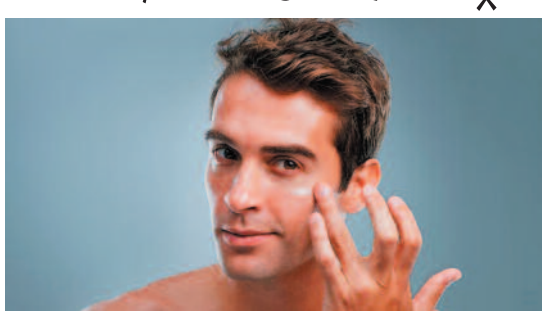

कोल्ड फेशियल कैसे करें?

सबसे पहले माइल्ड फेस वॉश से चेहरा धो लें। फिर बर्फ के टुकड़े को कॉटन क्लॉथ में लपेट लें। बर्फ से पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से सर्कुलर मोशन में मसाज करें। लगभग 10 मिनट तक ये प्रक्रिया करें। उसके बाद हल्का मॉइश्चराइजर या एलोवेरा जेल लगाएं। आप चाहें तो बर्फ में गुलाब जल, ग्रीन टी, खीरे का रस या एलोवेरा मिलाकर भी आइस क्यूब बना सकती हैं और इससे मसाज कर सकती हैं।

कोल्ड फेशियल के फायदे

आइस क्यूब से मसाज करने से त्वचा को ठंडक मिलती है और पफीनेस कम होता है। ये फेशियल ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर चेहरे पर नेचुरल ग्लो लाता है। इससे डार्क सर्कल्स और झुर्रियां कम करने में मदद करता है। कोल्ड फेशियल ओपन पोर्स को टाइट करता है और स्किन स्मूद बनाता है।

ट्रेंड में हैं रफल मिडी ड्रेस, ट्रिप के दौरान पहनने के लिए बेस्ट

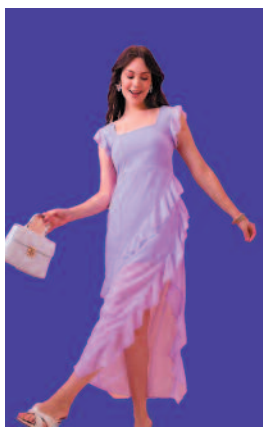

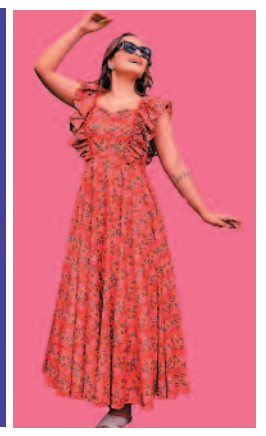

अगर आप भी ट्रिप के दौरान पहनने के लिए आउटफिट को लेकर परेशान है, तो आप इस तरह की रफल मिडी ड्रेस ट्राई कर सकती हैं, इन्हें पहनकर आप अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती है। अगर आप भी ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही है और ट्रिप के दौरान पहनने के लिए आउटफिट को लेकर परेशान है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसी रफल मिडी ड्रेस बताएंगे, जिन्हें आप पहनकर अपनी खूबसूरती को बढ़ा सकती है।

हेल्टर नेक रफल जॉर्जेट ए लाइन मिडी ड्रेस

अगर आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान कर रही है और ऐसे में आउटफिट खोज रही है, तो आप इस खूबसूरत हेल्टर नेक रफल जॉर्जेट ए लाइन मिडी ड्रेस को शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक को एलिगेंट टच दे सकती है। इस तरह की ड्रेस को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड रफल फिट फ्लेयर मिडी ड्रेस

यही नहीं अगर आप अपनी फैमिली के साथ किसी ट्रिप पर जाने वाली हैं, तो अब आप एक जैसे कपड़े पहनने के बजाय इस खूबसूरत फ्लोरल प्रिंटेड रफल फिट फ्लेयर मिडी ड्रेस को ट्राई कर सकती है। इस तरह की ड्रेस को आप ट्रिप के दौरान पहनकर अपनी ट्रिप को यादगार बना सकती हैं। इसे आप बाजार से कपड़ा लाकर टेलर से बनवा सकती हैं।

स्क्वायर नेक कैप स्लीव्स रफल मैक्सी ड्रेस

यही नहीं आप चाहे तो ट्रिप पर पहनने के लिए इस खूबसूरत स्क्वायर नेक कैप स्लीव्स रफल मैक्सी ड्रेस को भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की ड्रेस भी आपकी खूबसूरती में चार-चार लगा देगी और आपको रॉयल लुक देने में मदद करेंगी। इस ड्रेस को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

नए जूते-चप्पल कर रहे परेशान, दे रहे जख्म

क्या आपके भी पैरों की स्किन नए जूते-चप्पल पहनने के बाद कट जाती है? अगर ऐसा है तो आज हम आपको कुछ ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आपके पैरों की स्किन एकदम ठीक रहेगी।

सरसों का तेल लगाएं

सरसों का तेल अक्सर हम किचन में सब्जी बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं यह तेल आपके पैरों की स्किन का भी बचाव कर सकता है। आप जब कभी भी नई स्लीपर पहनें तो उससे पहले हथेलियों पर सरसों का तेल लेकर उसमें पूरे पैर पर लगा लें। इसके बाद आप कोई भी न्यू जूता या चप्पल आसानी से कैरी कर सकती हैं। सरसों का तेल लग जाने के बाद स्लीपर्स नहीं काटेंगी।

जेल पैड्स का करें यूज

यदि आपको भी नई फुटवियर काटने लगती हैं, तो आप उसके लिए मार्केट से जेल पैड्स खरीदकर लेकर आएं। उसके बाद आप कोई भी नया या पुराना जूता या फिर चप्पल पहन सकती हैं। ऐसा करने से आपके पैरों की स्किन एक तो अच्छी रहेगी। साथ ही, इनमें लगी कुशनिंग आपके पैरों में होने वाले दर्द को भी आराम देंगी।

कॉटन की परत लगाएं

इसके अलावा आप स्लीपर पहनने से पहले पैरों पर सबसे पहले कॉटन की परंत बिछाएं। इसके बाद आप कोई भी स्लीपर पहन सकती हैं। कॉटन लगाने से स्किन पर कट का निशान नहीं लग पायेगा।

चार चांद लगाएंगे मिरर वर्क वाले झुमके

यदि आपको भी अपने पटियाला सूट के संग पहनने के लिए झुमकों की तलाश है, तो आपको कुछ मिरर वर्क झुमके के लेटेस्ट डिजाइंस जरूर देखने चाहिए। जिनसे आप आइडिया लेकर अपना लुक परफेक्ट बना सकती हैं। हम आपको कुछ डिफरेंट डिजाइंस वाले मिरर वर्क झुमके दिखाने जा रहे हैं। जिनसे आप भी आइडिया लेकर अपना लुक खूबसूरत बना सकती हैं।

चांद बाली मिरर वर्क झुमके

यदि आपको मिरर वर्क झुमके कैरी करना पसंद है तो इस तरह के चांद बाली झुमके आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। इनके मिडिल में स्मॉल झुमकी लगी हुई है। जबकि नीचे की ओर मेटल बीड्स लगे हुए हैं। यह मेटल बीड्स वाले चांद बाली झुमके ब्लैक कलर के पटियाला सूट संग गजब के खूबसूरत नजर आएंगे। इस इयररिंग्स के साइड में मिरर वर्क और सेंटर में एक बड़ा मिरर लगा हुआ है। ऐसे में इस झुमके का ओवरऑल लुक गॉर्जियस है। यह आपको ऑनलाइन 200 से 300 रुपये की कीमत में मिल जाएंगे।

मिरर वर्क डेंगल झुमके

अगर आपको इस तरह के लांग इयररिंग्स पहनना पसंद है तो आपके लिए इस तरह के डेंगल मिरर वर्क इयररिंग्स भी परफेक्ट ऑप्शन है। इसके नीचे की साइड बिग झुमकी और ऊपर की तरफ हाफ फ्लावर डिजाइन में मिरर लगे हुए हैं। ऐसे झुमके हर तरह के पटियाला सूट के साथ पहने जा सकते हैं। इनको आप किसी वेडिंग फंक्शन में पहन सकती हैं। यह इयररिंग्स पतले चेहरे वाली लड़कियों के लिए बेस्ट हैं। आप इनको ऑनलाइन 300 से 500 रुपये के बीच खरीद सकती हैं।

मिरर वर्क बिग झुमकी

अगर आपको बड़ी झुमकी पहनना पसंद है तो यह आपके लिए परफेक्ट चॉइस है। इस तरह की झुमकी पटियाला सूट के संग कैरी करने पर आपके लुक में चार-चांद लगा देती हैं। इनको आप छोटे-बड़े हर तरह के फंक्शन में कैरी करके जा सकती हैं।

कार्नर न्यूज शेविंग के दौरान छोटी-छोटी गलतियों की वजह से होती कई समस्याएं

शेव करने के दौरान अक्सर सामना होता है रेजर बर्न की समस्या से, राहत के लिए अपनाएं कुछ आसान से उपाय

शेविंग के दौरान रेजर बर्न एक आम समस्या है जो त्वचा में जलन, लालिमा और खुजली का कारण बनती है। यह तब होता है जब रेजर त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाता है। रेजर बर्न से बचने के लिए, शेविंग से पहले त्वचा को भिगोना, शेविंग क्रीम या जेल का उपयोग करना, बालों के बढ़ने की दिशा में शेव करना और शेविंग के बाद मॉइस्चराइजर का उपयोग करना महत्वपूर्ण है।

रेजर बर्न क्या है?

रेजर बर्न, जिसे शेविंग रैश भी कहा जाता है, त्वचा की जलन है जो शेविंग के बाद होती है। यह तब होता है जब रेजर त्वचा की ऊपरी परत को हटा देता है, जिससे जलन और सूजन होती है।

रेजर बर्न के कारणों में सूखी शेविंग,बिना शेविंग क्रीम या जेल के सूखी त्वचा पर शेव करना। पुराने रेजर का उपयोग,सुस्त ब्लेड वाले रेजर का उपयोग करना। बहुत जल्दी-जल्दी शेव करना। एक ही जगह पर बार-बार शेव करना। बालों के बढ़ने की दिशा के विपरीत शेव करनाः इससे बालों के वापस त्वचा में घुसने की संभावना बढ़ जाती है। संवेदनशील त्वचाःकुछ लोगों की त्वचा दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील होती है और रेजर बर्न के प्रति अधिक संवेदनशील होती है।

एलोवेरा जेल रेजर बर्न की समस्या को ठीक करने में बहुत ही कारगर होते हैं। ये न सिर्फ रेजर से कटने के बाद होने वाली खुजली को दूर करते हैं बल्कि चोट के घाव को भरने में भी मदद करते हैं। घावों को ठीक करने और स्किन को मुलायम करने के अलावा भी एलोवेरा जूस के ढेरों फायदे हैं। एलोवेरा में कई तरह के एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं। गहराई तक कटे हुए घाव पर भी अगर एलोवेरा जेल लगाया जाए तो इससे जीवाणु दूर रहते हैं। इसके अलावा, एलोवेरा स्किन की नमी बनाए रखने और पोषण देने में भी मदद करता है।

एलोवेरा जेल को आसानी से घर पर भी बनाया जा सकता है। इसके अलावा, बेस्ट एलोवेरा जेल को ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है।

बर्फ के टुकड़े से मसाज करें

हालांकि इस उपाय से घाव के ठीक होने का कोई संबंध नहीं है। लेकिन इसके बाद रेजर से कट लगने पर अगर बर्फ के टुकड़ों से मसाज की जाए तो इससे दर्द और खुजली को आसानी से ठीक किया जा सकता है।

इसके अलावा, बर्फ रगड़ने से घाव और उसके आसपास की त्वचा ठंडी होकर सुन्न हो जाती है। इसके चलते खून बहना बंद हो जाता है। खून बंद होने के बाद, अन्य दवाओं को लगाना काफी आसान हो जाता है। इसके अलावा, दवाओं को असर दिखाने का मौका भी मिल जाता है।

नारियल का तेल लगाएं

नारियल तेल को भगवान का वरदान भी कहा जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि स्किन के ऊपरी हिस्से में क्या समस्या है। चाहें वो रैशेज, दाग-धब्बे, जलन, खुजली आदि की समस्या ही क्यों न हो, नारियल तेल लगाने पर वो हमेशा बढ़िया काम करता है।

रेजर बर्न होने पर नारियल का तेल लगाने पर दर्द से भले ही राहत न मिले। लेकिन घाव के भरने की प्रक्रिया जरूर तेज हो जाती है।

हालांकि इसमें थोड़ा समय जरूर लगता है। इसके अलावा, नारियल का तेल, एंटीसेप्टिक के तौर पर भी काम करता है। ये स्किन को हानिकारक कीटाणुओं से दूर रखने में मदद करता है।

ठंडे टी बैग लगाएं

चाय की पत्तियों में ढेर सारे पोषक तत्व और एंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये एंटी ऑक्सीडेंट्स स्किन में होने वाली हर तरह की समस्याओं से राहत देती हैं।